भोपाल, सोमवार
03
मार्च 2025

दैनिक मध्य स्वर्णिम

सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर...

यह क्यूआर कोड स्कैन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर...
Scan QR Code to Read ePaper
www.madhyaswarnim.com

वर्ष - 12 अंक-186 पृष्ठ-08 मूल्य-₹02

@खबर संक्षेप

केरल में आगामी चुनाव के लिए सभी पार्टी नेता एकजुट हैं: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि केरल में पार्टी नेता एकजुट हैं। गांधी का यह बयान शुक्रवार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा केरल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले रणनीति को लेकर चर्चा और दक्षिणी राज्य के नेताओं के साथ विचार-विमर्श के

बाद आया है। बैठक के बाद केरल के नेताओं की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी ने फेसबुक पर लिखा वह एक साथ खड़े हैं, आगे के उद्देश्यों के मद्देनजर एकजुट हैं। उनकी पोस्ट के साथ हैशटैग 'टीम केरल' भी था। इस बैठक का मुख्य विषय अनुशासन, एकता और राज्य संगठन को मजबूत करना था। सूत्रों के मुताबिक बैठक में राहुल गांधी ने कहा कि नेताओं को राजनीतिक रणनीति के बारे में बहुत सावधान रहना चाहिए और ऐसा कुछ भी नहीं करना या कहना चाहिए जो पार्टी लाइन के अनुरूप न हो। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अनुशासन, एकता सुनिश्चित करने और पार्टी की केरल इकाई को मजबूत करने के लिए रिक्त पदों को भरने पर जोर दिया था।

पूर्व सेबी प्रमुख माधवी बुच पर होगी एफआईआर

मुंबई। मुंबई की एक एंटी-करप्शन कोर्ट ने सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। शेयर मार्केट फ्रॉड और रेगुलेटरी वायलेशन यानी नियामक उल्लंघन के मामले में कोर्ट ने माधवी के अलावा बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ भी केस दर्ज करने का आदेश दिया। माधबी पुरी बुच 28 फरवरी को सेबी चीफ के पद से रिटायर हुई हैं। यह आदेश स्पेशल जज एसई बांगर ने ठाणे बेस्ड जर्नलिस्ट

सपन श्रीवास्तव की ओर से दायर याचिका पर दिया है। सपन ने स्टॉक एक्सचेंज पर एक कंपनी की लिस्टिंग में बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल फ्रॉड और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। शिकायतकर्ता के अनुसार सेबी के अधिकारी अपने वैधानिक कर्तव्य में विफल रहे। बाजार में हेराफेरी करने दी गई, इससे निवेशकों को नुकसान हुआ। नियमों को पूरा नहीं करने वाली कंपनी की लिस्टिंग की अनुमति दी। अमेरिकी कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने 19 अगस्त 2024 को दावा किया गया था कि सेबी चीफ माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की अडाणी ग्रुप से जुड़ी ऑफशोर कंपनी में हिस्सेदारी है। व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों के आधार पर हिंडनबर्ग ने दावा किया कि बुच और उनके पति की मॉरीशस की ऑफशोर कंपनी ग्लोबल डायनामिक अपॉर्च्युनिटी फंड में हिस्सेदारी है। हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया था कि ग्लोबल डायनामिक अपॉर्च्युनिटी फंड में कथित तौर पर अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी के भाई विनोद अडाणी ने अरबों डॉलर निवेश किए हैं। इस पैसे का इस्तेमाल अडाणी ग्रुप के शेयरों के दामों में तेजी लाने के लिए किया गया था। बुच 16 मार्च 2022 तक एगोरा पार्टनर्स सिंगापुर की 100 प्रतिशत शेयरधारक बनी रहीं और सेबी के मेंबर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वह इसकी मालिक रहीं।

किसानों ने सीएम का माना आभार

किसानों को 5 रुपये में मिलेगा बिजली का स्थाई कनेक्शन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश के किसानों के हक में लिए गए फैसलों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार व्यक्त किया गया। रविवार दोपहर को सीएम हाउस में समत्व भवन में किसान आभार सम्मेलन हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पहुंचें किसानों ने सरकार की विभिन्न किसान हितैषी नीतियों, निर्णयों और योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

वहीं सीएम डॉ मोहन यादव ने घोषणा की कि अब 5 रुपए में किसानों को बिजली का स्थाई कनेक्शन मिलेगा उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को इसके लिए व्यवस्था करने और तत्काल लागू करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही सीएम ने कहा कि तीन साल में 30 लाख सोलर पंप किसानों को देंगे और किसानों से सरकार बिजली खरीदेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर साल 10 लाख किसानों को सोलर पंप दिए जाएं। उन्होंने कहा कि तीन साल में सभी तक पहुंचाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

24 घंटे किसानों को बिजली मुहैया रहेगी। उन्होंने कहा कि 'किसान अन्नदाता और जीवनदाता हैं। किसान की हर समस्या का हल है। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की और कहा कि 'पूरा विश्व श्रद्धा से पीएम मोदी की ओर देख रहा है। डॉ. मोहन यादव ने अपने बयान में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार पर आरोप लगाया कि जब उन्होंने गांवों के विकास को नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह की सरकार में यह बेशर्मी से कहा जाता था कि गांवों में सड़कों की क्या जरूरत है। इन्होंने कभी गांव नहीं देखा, जबकि भारत को समझने के लिए गांव देखना जरूरी है।

सीएम यादव ने इस बात पर जोर दिया कि किसानों की समृद्धि से ही देश का विकास संभव है। 'किसान, गरीब, युवा, महिला- ये चार जातियां हैं जिनके बारे में पीएम मोदी हमेशा बात करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के समय किसानों को जो अधिकार मिलने चाहिए थे, वह 55 साल बाद भाजपा सरकार में किसानों को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब भाजपा सरकार आई, तब गांवों में सड़कों, बिजली और पानी की व्यवस्था की गई। कांग्रेस के शासन में यह सब नहीं था। दिग्विजय सिंह ने विधानसभा में कहा था कि शिप्रा में नर्मदा का जल आ ही नहीं सकता। कांग्रेस के लोग कहते थे कि नदी जोड़ने का प्रयास असंभव है और इससे प्रकृति बिगड़ जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिनर्जी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने साकेत नगर भोपाल में सिनर्जी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का गणेश पूजन और दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, अस्पताल के संस्थापक डॉ. निवेश सेहरा उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अस्पताल के विशेषज्ञता विभागों, उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं और सुविधाओं का अवलोकन किया।

रेस्क्यू अभियान पूरा, लापता चारों श्रमिकों के शव मिल

आठ हुई मृतकों की संख्या, 46 सुरक्षित

चमोली। चीन सीमा पर माणा के पास शुक्रवार को हिमस्खलन की चपेट में आए सभी लोगों को ढूंढ लिया गया है, जिसमें से 46 सुरक्षित हैं, जबकि आठ की मौत हो गई। रविवार को लापता सभी चार श्रमिकों के शव रेस्क्यू टीम ने बरामद कर लिए हैं। जबकि चार श्रमिकों के शव शनिवार को बरामद हो गए थे। वहीं, रविवार को एक अन्य घायल को एम्स ऋषिकेश के लिए रेफर कर दिया गया है, जबकि एक घायल श्रमिक शनिवार को रेफर किया गया था। इसके साथ ही तीन दिनों से चला आ रहा रेस्क्यू अभियान भी समाप्त हो गया।

बता दें कि माणा के पास शुक्रवार तड़के भारी हिमस्खलन हुआ था, जिसके चपेट में बीआरओ के 54 श्रमिक आ गए थे। आईटीबीपी और सेना के जवानों ने शुक्रवार सुबह रेस्क्यू अभियान शुरू किया। पहले दिन 33 श्रमिकों को सुरक्षित निकाला गया था। शनिवार को रेस्क्यू अभियान में एनडीआरएफ भी शामिल हुई। शनिवार तक रेस्क्यू टीमों ने 46 श्रमिकों को सुरक्षित निकाल लिया था, जबकि चार श्रमिकों के शव बरामद हुए थे।

उसके बाद लापता चल रहे चार अन्य श्रमिकों की खोजबीन के लिए रविवार को फिर तीनों रेस्क्यू टीमों ने सर्च अभियान चलाया। दोपहर करीब एक बजे पहले एक शव बरामद हुआ। उसके बाद दो अन्य श्रमिकों के शव भी बरामद हुए। अंतिम लापता व्यक्ति का शव दोपहर करीब चार बजे बरामद कर लिया गया। जिसके बाद हादसे में मृतकों की संख्या आठ हो गई।

सुरंग हादसे में फंसे 8 में 4 लोगों की लोकेशन मिली, जल्द आ सकते हैं बाहर

हैदराबाद। तेलंगाना में एक सुरंग ढहने के बाद एक हफ्ते से जारी बचाव अभियान में सफलता मिली है। सुरंग में फंसे आठ लोगों में से चार की लोकेशन पता चल गई है। यह जानकारी राज्य के आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने दी। हालांकि उन्होंने कहा कि सुरंग में फंसे लोगों के बचने की उम्मीद बेहद कम है। कृष्ण

राव सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी के साथ बचाव अभियान में शामिल अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में प्रगति हुई है। मेरे विचार से रडार के जरिए चार लोगों की लोकेशन का पता लगा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि रविवार शाम तक लोगों को बाहर निकाल लिया जाएगा। सुरंग में जिन चार लोगों के बारे में पता चला है, उनकी स्थिति के बारे में उन्होंने पहले कहा था कि फंसे हुए लोगों के बचने की संभावना बहुत कम है।

प्रधानमंत्री नें सौराष्ट्र में प्रथम ज्योतिर्लिंग के किए दर्शन

अहमदाबाद। गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सौराष्ट्र में स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग- सोमनाथ महादेव के दर्शन-पूजन किए। प्रधानमंत्री इससे पहले गुजरात के कई अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल हुए। पीएम मोदी ने महादेव के शिवलिंग पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक भी किया। खबरों के मुताबिक पीएम मोदी सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री तीन दिवसीय दौरे जामनगर पहुंचे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के संबंध में जारी सूचना के मुताबिक वे गिर जिले में सासन गिर नेशनल पार्क भी जाएंगे और जंगल सफारी का आनंद लेंगे।

पीएम मोदी गिर राष्ट्रीय उद्यान में जंगल सफारी पर भी जाएंगे

सोमनाथ महादेव के दर्शन से पहले प्रधानमंत्री ने रविवार को रिलायंस फाउंडेशन के पशु बचाव और पुनर्वास केंद्र वनतारा का दौरा भी किया। 3 मार्च को प्रधानमंत्री गिर राष्ट्रीय उद्यान में जंगल सफारी का आनंद लेकर अपने दिन की शुरुआत करेंगे। जंगल सफारी से लौटने के बाद पीएम मोदी वन्य जीवों के मुद्दे पर अहम बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे।

वन्यजीवों के मुद्दे पर बैठक करेंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में वन्यजीवों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य हैं, जिनमें सेना प्रमुख, विभिन्न राज्यों के सदस्य, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, मुख्य वन्यजीव वार्डन और विभिन्न राज्यों के सचिव शामिल हैं। देश के प्रधानमंत्री एनबीडब्ल्यूएल के पदेन अध्यक्ष होते हैं।

मोहम्मद सुलेमान ने मांगा वीआरएस

भोपाल। मध्यप्रदेश के सीनियर आईएएस अधिकारी मोहम्मद सुलेमान ने वीआरएस का आवेदन दिया है। वे इस साल जुलाई में रिटायर होने वाले थे लेकिन इससे पहले ही सेवानिवृत्त होना चाहते हैं।मोहम्मद सुलेमान शिवराज सिंह के कार्यकाल में सबसे पावरफुल अफसर रहे हैं।यहां तक की सीएस कोई भी हो लेकिन सुलेमान की छाप निर्णयों में हमेशा दिखाई दी।लेकिन,मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद सुलेमान लगभग लूप लाइन में ही रहे।

एमपी के सन 1989 के बैच के आईएएस अफसर मोहम्मद सुलेमान ने राज्य सरकार से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति यानि ङ्कक्रस्न मांगा है। इसके लिए उन्होंने सरकार को पत्र लिखा है। जुलाई 2025 में उन्हें रिटायर होना है लेकिन इससे पहले ही स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति मांग ली है। आईएएस अफसर मोहम्मद सुलेमान की समय पूर्व सेवानिवृत्ति की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। एमपी के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) मोहम्मद सुलेमान मोहम्मद सुलेमान ने अपने करियर की शुरुआत ग्वालियर के असिस्टेंट कलेक्टर के रूप में की थी।

नशीले पदार्थों की तस्करी पर मोदी सरकार सख्त

ड्रग मुक्त भारत बनाना हमारा संकल्प: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि रविवार को नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सरकार सख्त है। मोदी सरकार पैसे के लालच में युवाओं को नशे की लत में धकेलने वाले नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

एक्स पर एक पोस्ट में अमित शाह ने लिखा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ड्रग-मुक्त भारत बनाने के लिए निर्मम और सावधानीपूर्वक जांच के साथ नशीली दवाओं के खतरे का मुकाबला करना जारी रखने का संकल्प लेती है। नीचे से ऊपर और ऊपर से नीचे की रणनीति के साथ अचूक जांच के परिणामस्वरूप भारत भर में 12

अलग-अलग मामलों में 29 ड्रग तस्करों को अदालतों ने दोषी ठहराया है। मोदी सरकार की नशीली दवाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का पालन करते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

केंद्रीय गृह मंत्री के ट्वीट के बाद एक प्रेस विज्ञप्ति में गृह मंत्रालय ने कहा कि शाह के मार्गदर्शन में एनसीबी 2047 तक नशा मुक्त भारत के प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। विज्ञप्ति में सरकार की ओर से की गई कार्रवाइयों की जानकारी दी गई है। इसमें उन 12 मामलों का ब्योरा दिया गया है, जिनमें अदालत ने सजा सुनाई। इसमें 2019 में गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती रेलवे स्टेशन पर 23.859 किलोग्राम चरस के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया और 14 साल जेल की सजा सुनाई गई।

व्यवस्था

लोकतंत्र की प्रयोगशाला हैं पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन : मनोज श्रीवास्तव

ईव्हीएम के बाद अब पेपरलेस बूथ के माध्यम से चुनाव पर विचार

भोपाल। पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव में ईव्हीएम के बाद अब पेपरलेस बूथ की कल्पना को मूर्त दिया जा रहा है। पंचायत उप निर्वाचन में चुनाव पेपरलेस बूथ के माध्यम से सफलतापूर्वक कराये जा चुके हैं। मध्यप्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने यह बात राज्य निर्वाचन आयोग की 31वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस में कही। कॉन्फ्रेंस पेंच जिला सिवनी में आयोजित की गई है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कराये जाने वाले पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन लोकतंत्र की प्रयोगशाला और परीक्षण स्थली हैं। पूरी दुनिया के साथ भारत का यह अनुभव है कि जब भी निर्वाचन संबंधी कोई महत्वपूर्ण प्रयोग होते हैं, तो सबसे पहले स्थानीय निर्वाचनों में होते हैं। जब महिलाओं को प्रतिनिधि संस्थाओं में

आरक्षण का विचार आया, तो सबसे पहले पंचायतों और स्थानीय निकायों में इसे लागू किया गया। मध्यप्रदेश में तो निकायों में पहले 33 प्रतिशत और बाद में 50 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को दिया गया है। इसकी जितनी स्वीकार्यता पिछड़े कहे जाने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में हुई, उतनी वरिष्ठ स्तरों पर अभी भी नही हो पाई।

राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन लोकतंत्र की नींव हैं। यह चुनाव पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता से कराना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस चुनाव के माध्यम से नागरिक सीधे शासन और निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदार बनते हैं।

इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव अभिषेक सिंह ने स्थानीय निकायों की निर्वाचन प्रक्रिया में पेपरलेस बूथ प्रणाली तथा इंटरग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम को अपनाने की कार्ययोजना पर प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि पेपरलेस बूथ प्रणाली में डिजिटल टूल्स अपनाने से स्थानीय निर्वाचन प्रक्रिया सरल होगी। सभी डॉक्यूमेंटेशन डिजिटल होंगे तथा मानवीय भूल की संभावना भी कम होगी। उन्होंने बताया कि डिजिटल टूल्स का उपयोग होने से चुनाव में लगने वाले अमले की संख्या में कमी आएगी तथा चुनाव खर्च भी कम होंगे। आन्ध्रप्रदेश निर्वाचन आयोग की आयुक्त श्रीमती नीलम साहनी द्वारा स्वचलित लोकल बॉडी इलेक्शन प्रक्रिया पर प्रेजेंटेशन दिया गया। उन्होंने इलेक्ट्रोरल रोल मैनेजमेंट, पोल मैनेजमेंट के ऑटोमेशन प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए अन्य आयुक्तों के साथ समस्या एवं सुधार की संभावनाओं पर चर्चा की।

अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय को मिली 39 करोड़ की सौगात, बनेगा 6 मंजिला हाईटेक भवन

इंदौर। आखिरकार इंदौर के आयुर्वेद महाविद्यालय के अच्छे दिन आ ही गए। साल 1972 से संचालित इस प्रतिष्ठित संस्थान के लिए शासन ने 39 करोड़ रुपये की राशि मंजूर कर दी है, जिससे 6 मंजिला नया भवन बनाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का प्रस्ताव लगभग 6 साल पहले तैयार किया गया था, लेकिन कभी कोरोना काल, कभी प्रस्ताव में संशोधन, तो कभी चुनावी तैयारियों के कारण यह योजना बार-बार अटकती रही। अब सभी बाधाएं दूर हो चुकी हैं और नए भवन के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है।

आयुर्वेद महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रिंसिपल एपी सिंह के अनुसार, यह संस्थान पिछले 53 वर्षों से केवल 15 से 18 हजार वर्गफीट क्षेत्र में संचालित हो रहा है, जो भारत सरकार के राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा आयोग (NCISM) के मापदंडों के अनुसार पर्याप्त नहीं है। इसलिए, महाविद्यालय ने नया भवन बनाने का प्रस्ताव भेजा था, जिसे 6 साल बाद आखिरकार स्वीकृति मिल गई है।

नए अकादमिक भवन का निर्माण कुल 32,000 वर्गफीट क्षेत्र में होगा। यह भवन राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग के मानकों के अनुरूप बनाया जाएगा, जिसमें कुल 14 विभाग कक्ष और हॉल होंगे। प्रत्येक विभाग के लिए जरूरी लैब, मीटिंग हॉल और सभागार भी होंगे। इसके अलावा, विद्यार्थियों के लिए 150 स्टूडेंट्स की क्षमता वाले 6 हाईटेक क्लासरूम तैयार किए जाएंगे। महाविद्यालय में लगभग 300 विद्यार्थियों की क्षमता को ध्यान में रखते हुए एक बड़ी लाइब्रेरी हॉल भी बनाई जाएगी।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

15 मार्च से शुरू होगी समर्थन पर गेहूं खरीदी

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। 1 मार्च से शुरु होने वाल गेहूं खरीदी अब 15 मार्च से होगी। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के उप सचिव द्वारा नए आदेश जारी कर दिए गए। इसके चलते जिले में 1 मार्च को खरीदी नहीं की गई। पहले के आदेशों के मुताबिक इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम संभागों में 1 मार्च से समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी की जाना थी। अब पूरे प्रदेश में एक साथ ही समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी शुरु होगी। वहीं पिछले बर्ष 25 मार्च से गेहूं की खरीदी शुरु हुई थी। प्रदेश में रायसेन बड़ा गेहूं उत्पादक जिला है, जिले की रबी की मुख्य फसलों में गेहूं ही एक नंबर पर है। यहां 2 लाख 80 हजार से लेकर 3 लाख हेक्टेयर रकबे में गेहूं की बोवनी की जाती है। बराना डेम, हलाली डेम सहित ट्यूबवेल से सिंचाई के स्रोत के उपलब्ध होने से गेहूं का उत्पादन ही खूब होता है। इसलिए यहां समर्थन मूल्य पर खरीदी भी करीब 5 लाख एमटी के आसपास होती है।

5 साल पहले देवनगर से गायब हुई नाबालिक,भोपाल से पुलिस लेकर आई

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। जिले के देवनगर के ग्राम पटी से 5 साल पहले नाबालिक लड़की को भोपाल पुलिस लेकर आई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 05 फरवरी 2020 को फरियादी सोनू मीणा निवासी ग्राम पटी खैरियाई ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी,उसकी नाबालिक बहन को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर ले गया है की रिपोर्ट पर अपराध धारा 363 भदावि का कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये वरिष्ठ पुलिस अधिकारियो के निर्देशन एवं थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर नाबालिक बालिका व अज्ञात आरोपी की तलाश प्रारंभ की गई । वही बेगमगंज के नेतृत्व में थाना देवनगर पुलिस द्वारा लगातार प्रयास करने पर मुखबिर एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 28 फरवी 2020 को अपहर्ता/ पीडिता को ग्राम रासला खेड़ी भोपाल से दस्तयाब किया गया। 5 वर्ष से लापता नाबालिक बालिका को दस्तयाब करने में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक शैलेंद्र दायमा, चौकी प्रभारी नकतरा सउनि रामचरण परते,आर ओम ढीमोले, हिमांशी राजपूत की सराहनीय भूमिका रही

ट्रक में पीछे से घुसी कार,गाड़ी का अलगा हिस्सा हुआ चकनाचूर

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। जिले के सांची थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। विदिशा से सलामतपुर जा रहे दो युवकों की कार पीछे से ट्रक में जा घुसी। हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए। हालांकि कार में सवार रितिक 26 बर्ष और निखिल 30 बर्ष की जान एयरबैग खुलने से बच गई। घटना कच्छी कान्हाखेड़े गांव में रात करीब 1 बजे हुई। स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस के पायलट देव कलावत मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों की मदद से कार में फंसे दोनों घायलों को बाहर निकाला। घायलों को तत्काल सांची अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

मां सिद्धेश्वरी मंदिर में चल रही रामकथा 9 मार्च होगी

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। शहर के वार्ड क्रमांक 15 अर्जुन नगर स्थित मां सिद्धेश्वरी माता मंदिर में सत्य सनातन धर्म प्रचार रामायण रामकथा रामलीला मंडल द्वारा रामकथा का आयोजन किया जा रहा है। यह कथा 9 मार्च तक चलेगी। रामकथा प्रतिदिन शाम 7-30 बजे से रात्रि 10-30 बजे तक होगी। यह रामकथा महंत पं.बालकृष्ण शास्त्री के सानिध्य में चल रही है। रामकथा के आयोजकों ने धर्मप्रेमी लोगों से कथा का लाभ उठाने की अपील की है।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 08 मार्च को

छिन्दवाड़ा(मध्य स्वर्णिम)। जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छिन्दवाड़ा के 22 जनवरी 2025 के पत्रानुसार 08 मार्च 2025 (शनिवार) को विद्युत अधिनियम 2003 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये जिले के विकासखंड छिन्दवाड़ा, अमरवाड़ा, चौरई, सौंसर व जुन्नारदेव विद्युत न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। म.प्र. शासन उर्जा विभाग के निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत लिटिगेशन/प्री-लिटिगेशन के लंबित निम्नदाब श्रेणी के सभी घरेलू, सभी कृषि, 5 किलोवाट भार तक के गैर घरेलू, 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं के विशेष न्यायालय में दर्ज एवं प्री-लिटिगेशन के प्रकरणों में छूट प्रदान करने के प्रावधान किये है। कंपनी द्वारा माननीय विशेष न्यायालय में दर्ज प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि में 20 प्रतिशत एवं सिविल दायित्व की राशि पर छः माही चक्रवृद्धि दर के अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष लगने वाले ब्याज की राशि में शत-प्रतिशत छूट नियम एवं शर्तों के तहत प्रदान की जायेगी।

निर्वाचन में सदस्यता सूची को अंतिम रूप देने के लिये रजिस्ट्रीकरण व अपीलीय अधिकारी नियुक्त

छिन्दवाड़ा(मध्य स्वर्णिम)। म.प्र.राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी भोपाल एम.बी.ओझा द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी नियम 1962 के नियम 49-ग (2) के प्रावधानों के अन्तर्गत प्राथमिक चंडिका महिला आजीविका बहुप्रयोजन सहकारी समिति मर्यादित लांघा जिला छिन्दवाड़ा (पंजीयन क्रमांक 369 दिनांक 16.11.1988) के संचालक मण्डल के निर्वाचन के लिये सदस्यता सूची को अंतिम रूप देने के लिए छिन्दवाड़ा जिले के वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक एल.आर. परते को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं म.प्र. सहकारी सोसाइटी नियम 1962 के नियम 49-ग (5) (ड) के अंतर्गत रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के विनिश्चय के विरूद्ध अपील प्राप्त करने एवं अपील का निर्धारित अवधि में निराकरण करने के लिये उप आयुक्त सहकारिता जिला छिन्दवाड़ा को अपीलीय अधिकारी नियुक्त किया गया है ।

दमुआमाल में सड़क दुर्घटना में दो घायल

108 एंबुलैंस से लाए अस्पताल, डाक्टर के नहीं आने से परेशान हुए मरीज

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

उमरेठ के दमुआ माल में सडक दुर्घटना में दो लोग घायल हुए। घायलों को परासिया अस्पताल उपचार के लिए लाया गया। शनिवार की देर रात इन्हें छिंदवाडा रिफर किया गया। अस्पताल में मरीज शाम पांच बजकर पैंतीस मिनट पर लाए गए। रात सवा ग्यारह बजे इन्हें रिफर किया गया। अस्पताल में ड्यूटी डाक्टर नहीं होने से मरीजों को परेशान होना पडा।

अस्पताल का स्टाफ भी परेशान हुआ। ड्यूटी डाक्टर को स्टाफ ने फोन लगाया। पहले उन्होंने फोन नहीं उठाया। बाद में फोन उठाना बंद कर दिया। रविवार को घायल आयुष कुमरे के परिजनों ने बताया कि अस्पताल में डा शबनम खातून की ड्यूटी थी। उन्हें रात में बार बार फोन किया गया। लेकिन वे नहीं आई। अस्पताल के स्टाफ की चर्चाओं से उन्हें पता लगा कि ड्यूटी डाक्टर वाहन की मांग कर रही है। अस्पताल में कोई वाहन नहीं है जो चिकित्सक को लेने उनके घर जाए। इसलिए वे नहीं आई।

इधर चिकित्सक के नहीं आने पर स्टाफ ने सीधे मरीज को रिफर कर दिया। गौरतलब है कि अस्पताल में चिकित्सक को पहले भी ड्यूटी के दौरान लापरवाही करने पर नोटिस मिल चुके है। घायल के परिजनों ने कहा कि इस तरह के मामलों की जांच कर कार्रवाई की जानी चाहिए।

चूहामार खाकर आया युवक, परेशान हुए लोग

अस्पताल में इसी दौरान चूहामार खाकर भंडारिया का एक युवक आ गया। रात बारह पैतालिस पर आए इस युवक के उपचार के लिए भी चिकित्सक नहीं पहुंची। इसे भी स्टाफ ने उपचार देकर रिफर कर दिया गया। जानलेवा मामलों में भी चिकित्सक का वाहन के लिए अडे रहना और ड्यूटी पर नहीं आना घार आपत्ति का विषय है। ऐसे मामलों में कार्रवाई की मांग की गई है।

संविधान के हीरक जयंती समारोह में संविधान और बाबा साहब को किया याद

संविधान को स्कूलों, गांवों और नागरिकों तक पहुंचाने की रखी बात

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

संगीतालय भवन परासिया में रविवार को भारतीय संविधान की हीरक जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरे प्रदेश में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की कडी में परासिया में आज कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने संविधान को जन जन तक पहंचाने की बात रखी। भारतीय संविधान प्रचारिणी सभा ने कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यकम का समापन शाम छह बजे किया गया। भारतीय संविधान प्रचारिणी सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनीराम बंजारा, , डा बीएल डेहरिया पूर्व प्राचार्य पेंचवेली कालेज, बीएमओ परासिया डा शशि अतुलकर, प्रोफेसर डा नीलेश मेश्राम, संजय खोब्रागडे, रत्नमाला, मनोज डेहरिया और अन्य वक्ताओं ने अपने विचार रखे। काव्या ने कविता प्रस्तुत की।

कर्यक्रम का संचालन राजकुमार सूर्यवंशी ने किया। भारतीय संविधान को 1950 में लागू किया गया था। इस वर्ष संविधान की हीरक जयंती मनाई जा रही है। संविधान प्रचारिणी सभा 75 स्थानों पर भारतीय संविधान को लेकर कार्यक्रम आयोजित कर रही है। डा शशि अतुलकर ने कहा कि संविधान लागू होने के बाद तत्कालीन संस्थाओं ने संविधान का वैसा प्रचार प्रसार नहीं किया जिसकी जरूरत थी। इसे घर घर पहुंचाया जाना जरूरी था। जिससे लोग संविधान को और अपने अधिकारों को जान पाते। उन्होंने कहा कि संविधान का प्रचार प्रसार कर हर व्यक्ति तक पहुंचाया जाना जरूरी है।

खेत की तार फैसिग में फसा तेंदुआ उपचार के दौरान हुई मौत

सांची(मध्य स्वर्णिम)। नगर से चार किमी दूर स्थित गुलगांव के एक खेत में लगी कटीले तार फेंग्सिग में तेंदुआ फंस कर हुआ घायल,मौके पर पहुंचे वनविभाग के अधिकारी । खेत में लगी तार फेंग्सिग में तेदुआ के पांव फंस गया,उसने निकलने की कोशिशें की तो उसका गला भी फंस गया खेत मालिक ने जब अपने खेत की बागड मे तेंदुए को फंसा देखा तो उसके ने वनविभाग के अधिकारियों को सूचना दी सूचना पर वनविभाग के अधिकारी पहुंचे एवं उसको पकडने भोपाल से टीम भी आई तथा उसे बागड से घायल अवस्था में निकाल कर उसका उपचार किया,लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई इस घटना को लेकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। विभाग ने तेंदुए का पीएम कराया एवं उसका अतिम संस्कार कर दिया गया। तेंदुए की जानकारी से क्षेत्र के लोग सतर्क हो गए हैं । वनविभाग के अधिकारी जांच कर रहे हैं।

8 मार्च को लगेंगी साल कि पहली नेशनल लोक अदालत, मिलेगी 30 फीसदी तक की छूट, ब्याज माफ

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बिजली चोरी के मामलों में बड़ी राहत की घोषणा की है। रायसेन में 8 मार्च 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में इन मामलों का निपटारा किया जाएगा। कंपनी ने धारा 135 के तहत लंबित मामलों में विशेष छूट की घोषणा की है। यह छूट निम्न दाब श्रेणी के घरेलू, कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू और 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को मिलेगी। प्री.लिटिगेशन स्तर पर सिविल दायित्व राशि में 30 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। वहीं लिटिगेशन स्तर पर यह छूट 20 प्रतिशत होगी। दोनों स्तरों पर ब्याज राशि में 100 प्रतिशत की छूट का प्रावधान है। उपभोक्ताओं को छूट का लाभ लेने के लिए कुछ शर्तें पूरी करनी होंगी। छूट के बाद बची राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा।

साथ ही अन्य बकाया बिलों का भी पूरा भुगतान करना होगा। जिन लोगों के पास वैध कनेक्शन नहीं हैए उन्हें पहले वैध कनेक्शन लेना होगा। विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क कर समझौता कर लें।

परासिया थाने के सब इंस्पेक्टर राजिक सिद्धिकी का हार्ट अटैक से निधन

पीआईपी ड्यूटी पर गए थे बालाघाट

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

परासिया थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर 54 वर्षीय राजिक सिद्धिकी का रविवार को बालाघाट में हार्ट अटैक से निधन हो गया। वे वीआईपी ड्यूटी पर बालाघाट गए थे। वे अपने घर में ही थे इसी दौरान उन्हें हार्ट अटैक हुआ। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को बालाघाट में ही किया जाएगा। परासिया से पुलिस की टीम दो बजे बालाघाट के लिए रवाना हुई है। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार एसआई राजिक सिद्धिकी परासिया में पदस्थ थे। बीते डेढ साल से उनकी तैनाती परासिया में थी। कुछ दिनों पूर्व उन्होंने नागपुर में आंखों का आपरेशन करवाया था। गुरुवार को छुट्टी से आकर उन्होंने वापसी कराई थी। एक मार्च को बालाघाट में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम था। बालाघाट से मांग आने पर उन्हें बालाघाट वीआईपी ड्यूटी पर भेजा गया था। आज उन्हें वापस होना था। उन्हें घर पर ही सुबह अटैक आया। उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनके दो पुत्र और एक पुत्री है। सभी अध्ययनरत है। सोमवार को उनका अंतिम संस्कार बालाघाट में किया जाएगा। राजिक सिद्धिकी मधुर व्यवहार के धनी थे। परासिया में उनका कार्यकाल निर्विवाद रहा। उनके निधन पर परासिया एसडीओपी जितेंद्र सिंह जाट, टीआई जगोतिन मसराम, एसआई नरेंद्र तिवारी और अन्य स्टाफ ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

खुलेआम घूम रहे है बडकुही में खुलेआम मारपीट करने वाले आरोपी

परासिया। बडकुही में शनिवार को सडक पर खुलेआम गुंडागर्दी की गई थी। वाहन चलाने पर की गई टिप्पणी को लेकर विवाद हुआ था। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के घर के सामने जाकर बुरी तरह मारपीट कर एक व्यक्ति का सिर फोड दिया था। इस मामले में बडकुही पुलिस ने गुलाब के विरुद्ध बीएनएस की विभिनन धाराओं के तहत प्रकरण कायम किया था। इधर कोई बडी कार्रवाई नहीं होने से आरोपी आज खुलेआम घूमते पाए गएं । रविवार को विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण कायम होने के बाद भी बिना किसी खौफ के आरोपी सडक पर घूमते पाए गए। पीडित गिरधर गोपाल यादव ने बताया कि आरोपी उनके ही घर के सामने से कई बार निकले।

ट्यूबवेलो ने किसानों का छोड़ा साथ,300 फिट गिरा भू-जल स्तर

एक दर्जन से अधिक गांवों में किसानों के खेतों में लगें ट्यूबवेल हुए बंद

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

जिले में इस वर्ष अधिकांश हिस्से में बारिश पर्याप्त हुई थी। लेकिन इसके बादजनवरी-फरवरी माह से ही ट्यूबवेलों में पानी की कमी आना शुरु हो गई। अब मार्च माह में हालात यह है कि जिला मुख्यालय के आसपास बसे करीब आधा दर्जन से अधिक गांवों में जल स्रोत सूखने लगे है, इससे किसानों की चिता ज्यादा बढ़ गई है,क्योंकि खेतों में लगे ट्यूबवेल से पानी निकलना बंद हो गया या फिर कुछ स्थानों पर कम पानी आ रहा है।

ऐसे में फसलों की सिंचाई करना मुश्किल होने लगा है। किसानों का कहना है कि देर से बोवनी होने के कारण कुछ जगह गेहूं की फसल में एक बार ही सिंचाई हो पाई है। तो कुछ क्षेत्रों में दो बार गेहूं में पानी लगा दिया है। मगर तीसरी बार सिंचाई कैसे होगी, इसको लेकर किसान खासे चिंतित है। क्योंकि अब क्षेत्र में करीब 60 फीसदी ट्यूबवेलों में पानी नही आ रहा है। कुछ ट्यूबवेलों में पानी कम होने से कम पानी आ रहा है,जिससे किसानों को गेंहूँ की फसल में पानी नही हो पा रहा है, और मार्च के शुरूआत से ही गर्मी तेज होने से फसल जल्दी आ जाएगी,और पैदावार में अंतर आ जाएगा।

पानी नहीं मिलने से फसलों की पैदावार पर होगा असर

जिला मुख्यालय के करीब एक दर्जन गांवों में गेहूं की फसल की अभी एक बार ही सिचाई हुई है। जबकि गेहूं की फसल में तीन बार पानी दिया जाता है। मगर इन गांवों में लगे ट्यूबवेल सूखने से किसानों को यह चिंता सताने लगी है कि फसल की सिंचाई कैसे होगी। गांव के किसानों का कहना है कि यदि फसल को पर्याप्त पानी और नमी नहीं मिली तो पैदावार पर असर पड़ेगा। वही सिंचाई के साधन नहीं होने से कुछ किसान बोवनी करने से भी वंचित रह गए। किसानों का कहना है कि सरकार को इस क्षेत्र में जल प्रबंधन के उपाय करना चाहिए ताकि बारह महीने भू-जल स्तर बेहतर बना रहे।

एक दर्जन से अधिक गांवों में लगें ट्यूबवेल हुए बंद

जिला मुख्यालय के पास ग्राम मोनियाखेड़ी, मदनपुर, कोटरा, गोपालपुर, खरगावली, भादनेर, धुंआरा, गनिहारी, नेवली, मिर्जापुर, पाली, डाबरा और इमलिया आदि गांवों के किसानो के खेतों में लगें ट्यूबवेल बंद हो गए है। इसके अलावा नकतरा क्षेत्र में भी कई जगह जल स्रोतों से पानी कम आ रहा या फिर ट्यूबवेल सूखने लगे हैं। जहां किसानों के सामने फसलों की सिंचाई का संकट आ गया है। खास बात कि इस साल जिले में 1246.9 मिमी और रायसेन तहसील में 1172.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई है। बारिश बेहतर होने के बाद भी भू-जल स्तर गिर गया है।

एक सहकारी समिति के संचालक मंडल के निर्वाचन में सदस्यता सूची को अंतिम रूप देने के लिये रजिस्ट्रीकरण व अपीलीय अधिकारी नियुक्त

छिन्दवाड़ा(मध्य स्वर्णिम)। म.प्र.राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी भोपाल एम.बी.ओझा द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी नियम 1962 के नियम 49-ग (2) के प्रावधानों के अन्तर्गत प्राथमिक चंडिका महिला आजीविका बहुप्रयोजन सहकारी समिति मर्यादित लांघा जिला छिन्दवाड़ा (पंजीयन क्रमांक 369 दिनांक 16.11.1988) के संचालक मण्डल के निर्वाचन के लिये सदस्यता सूची को अंतिम रूप देने के लिए छिन्दवाड़ा जिले के वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक एल.आर. परते को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं म.प्र. सहकारी सोसाइटी नियम 1962 के नियम 49-ग (5) (ड) के अंतर्गत रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के विनिश्चय के विरूद्ध अपील प्राप्त करने एवं अपील का निर्धारित अवधि में निराकरण करने के लिये उप आयुक्त सहकारिता जिला छिन्दवाड़ा को अपीलीय अधिकारी नियुक्त किया गया है एवं निर्देशित किया गया है कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के विनिश्चय के विरूद्ध अपील प्राप्त होने की स्थिति में उसे निश्चित समयावधि में निराकृत करें एवं इस कार्यालय एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को आवश्यक रूप से अवगत करायें। अपील प्राप्त नहीं होने की स्थिति में भी निर्धारित अवधि में इस कार्यालय को आवश्यक रूप से अवगत कराने के निर्देश दिये है। सदस्यता सूची प्रकाशन की प्रक्रिया 08 मार्च से प्रारंभ होगी और 28 मार्च 2025 को समाप्त होगी । म.प्र.राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी भोपाल ओझा ने बताया कि निर्धारित निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 08 मार्च 2025 को सदस्यता सूची का प्रकाशन होने के बाद इस सूची पर 15 मार्च 2025 तक आपत्ति प्राप्त कर 16 मार्च 2025 तक प्राप्त आपत्तियों का निराकरण करने के बाद 16 मार्च 2025 को ही अंतिम सदस्यता सूची का प्रकाशन किया जायेगा। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के विनिश्चय के विरूध्द 17, 18 एवं 19 मार्च 2025 तक अपीलीय अधिकारी के समक्ष अपील प्रस्तुत की जा सकेगी तथा अपीलीय अधिकारी द्वारा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के विनिश्चय के विरूध्द अपील प्राप्त होने की स्थिति में 26 मार्च 2025 तक अपील का निराकरण किया जायेगा और 28 मार्च 2025 तक राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी को अंतिम सूची प्रस्तुत की जायेगी।

जन अभियान परिषद जन-जन का अभियान बन रही हैः केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके

बैतूल (मध्य स्वर्णिम)।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की समृद्धि योजनान्तर्गत स्वैच्छिक संगठनों की एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ भारत भारती संस्थान के सभागृह में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय जनजाति राज्य मंत्र दुर्गादास उइके, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष (राज्य मन्त्री दर्जा) मोहन नागर ने भारत माता के चित्र समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मोहन नागर जी ने केन्द्रीय मंत्री जी का स्वागत किया। इस अवसर पर परिषद के टास्क मैनेजर सैयद शाकिर अली जाफरी सीए एवं वरिष्ठ समाजसेवी सुनील हिराणी उपस्थित थे।

अपने उद्बोधन में केंद्रीय राज्य मंत्री उइके ने कहा कि समाज कार्य मे स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के माध्यम से मध्यप्रदेश में एनजीओ बड़ी संख्या में सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन कर सेतु का कार्य कर रहे है। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे इसका प्रयास कर रहे हैं। आज जन अभियान परिषद अपने कार्यों से जन-जन का अभियान बन गई है।

परिषद के उपाध्यक्ष नागर ने इस अवसर पर कहा कि एनजीओ के माध्यम से समाज की उन्नति के दो मॉडल चल रहे हैं। उसमें एक मॉडल पाश्चात्य मॉडल है जो अनुबन्ध आधारित विकास के आधार पर कार्य करता है। योजना के पूर्ण होने पर वे समाज से नाता तोड़ देते हैं। किन्तु हमारा भारतीय मॉडल सम्बन्धों पर आधारित विकास है, जो योजना पूर्ण होने के बाद भी समाज से सम्पर्क बनाकर रखते हैं व इनके सुख दुःख में सहभागी बनते हैं। मध्यप्रदेश इसी भारतीय मॉडल के आधार पर कार्य करने वाला संगठन है ।

स्वयंसेवी संगठनों की संरचना और प्रबंधन एनजीओ रजिस्ट्रेशन 1973 धारा 27 व 28, 80 जी, 12 ए के अलावा वार्षिक प्रतिवेदन साधारण सभा की बैठक, प्रबंधन कार्यकारिणी बैठक एवं अन्य दस्तावेजीकरण, सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के बारे में चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं वरिष्ठ समाजसेवी सुनील कुमार हिरानी एवं नमन सेवा समिति से शिशिर चौधरी द्वारा स्वैच्छिक संगठनों की संरचना एवं प्रबंधन विषय पर विस्तृत जानकारी दी।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

कार से टक्कर मारकर लूट करने वाले बदमाश गिरफ्तार

भोपाल। कोहेफिजा पुलिस ने करीब एक माह पहले स्विफट डिजायर कार से बाइक को टक्कर मारकर सोने की चेन व आई फोन लूटने वाले चार लुटेरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल, सोने की चैन और वारदात में इस्तेमाल की गई कार सहित 14 लाख का माल बरामद किया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से आगे की पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि हर्ष आनंद, नरेला शंकरी अयोध्या नगर में रहते है। गौतम नगर से अपने घर जा रहे थे। उसी दौरान किसी अज्ञात कार ने उनकी टक्कर हो गई। कार में सवार करीब आधा दर्जन लोग सवार थे। टक्कर होने के बाद कार सवार लोगों ने हर्ष आनंद के साथ मारपीट कर कार में तोडफोड़ कर दी। जान से मारने की धमकी देकर उनका मोबाइल व गले में लटकी सोने की चेन लूट ली। पुलिस ने इस मामले में लूट व मारपीट समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही शुरू की। विवेचना के दौरान घटनास्थल व आसपास तथा शहर के अलग-अलग स्थानों पर लगे करीब डेढ़ सौ सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। इस बीच फुटेज से मिले हुलिए, तकनीकी साक्ष्य व मुखबिर की सूचना के आधार पर दीपक राजपूत (25) व विनोद प्रजापति (22) दोनों निवासी सुठालिया राजगढ़ और गौरव शर्मा (19) वेदांता परिसर अयोध्या बायपास तथा सागर (22) इसरो कालोनी अयोध्या नगर को हिरासत में लकर पूछताछ की गई। जिसमे चारो ने संदेहियों ने वारदात को अंजाम देना कुबूल कर लिया।

700 किलोमीटर से भोपाल आकर महिला को ब्लड दे कर बचाई जान

भोपाल। राजधानी स्थित एम्स के चिकित्सक जहां अपनी पूरी शक्ति से मरीजों का इलाज करते हैं वहीं मरीजों की जान बचाने के लिए हर तरह के प्रयास करने को तैयार रहते हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है जिस में एम्स डॉक्टरों ने एक एनीमिया पीड़ित गर्भवती महिला को रेयर ब्लड ग्रुप उपलब्ध कराकर उसकी जान बचाई है। गर्भवती महिला की जान बचाने के लिए न सिर्फ डॉक्टरों और अस्पताल प्रशासन ने तत्परता दिखाई, बल्कि एक रक्तदाता ने 700 किलोमीटर की दूरी तय कर अपना दुर्लभ रक्त देकर महिला को नया जीवनदान दिया। बताया जा रहा है कि महिला को एनीमिया था और वह 40 वीक की प्रेग्नेंसी में थी। एम्स के चिकित्सकों ने बताया कि गर्भवती महिला की हालत गंभीर थी। तत्काल ब्लड चढ़ाने की जरूरत थी, लेकिन चुनौती यह थी कि महिला का रक्त समूह 'बॉम्बे ब्लड ग्रुप' था, जो अत्यंत दुर्लभ होता है। अस्पताल के ब्लड बैंक में यह उपलब्ध नहीं था। महिला का जीवन संकट में था। डॉक्टरों के पास समय कम था और अगर जल्द ही रक्त नहीं मिलता, तो जच्चा और बच्चा दोनों की जान को खतरा हो सकता था।

10वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपल। टीटी नगर इलाके में स्थित पंचशील नगर में 10 वीं की छात्रा ने बीती दोपहर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना स्थल से फिलहाल पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि छात्रा को उसके बड़े भाई ने किसी दोस्त से बात करने को मना करा था। आशंका है, कि इसी कारण छात्रा ने गुस्से में यह कदम उठाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मामले में प्रेम प्रसंग की आशंका है। पुलिस के अनुसार, सलोनी उर्फ हर्षिता सोनवाने (18), पंचशील नगर में रहती थी। वह दसवीं कक्षा की छात्रा थी। दोपहर करीब 12 बजे उसकी छोटी बहन सविता उसके कमरे में गई तो देखा कमरा अन्दर से बंद है। आवाज देने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। किसी तरह वह दरवाजा खोलकर अंदर पहुंची तो देखा कि सलोनी फंदे पर लटकी है। शोर सुनकर परिजन फौरन मौके पर पहुंचे और छात्रा को फंदे से उतारकर अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। छात्रा के पिता निजी टेलीकम्युनिकेशन कंपनी में और मां किसी डॉक्टर के घर में काम करती हैं। मृतका का बड़ा भाई गौरव भी पढ़ाई कर रहा है। थाना पुलिस ने बताया कि मृतका के भाई ने कुछ समय पूर्व सलोनी को किसी दोस्त के साथ देखा था, जिस पर उसे फटकार भी लगाई थी।

प्रदेश का बदला मौसम देर रात मुरैना में बारिश के साथ गिरे ओले

मार्च महीने में तेज गर्मी-लू का अलर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात मुरैना में बारिश के साथ चने के आकार के ओले भी गिरे। जिससे सुमावली, दिमनी, अंबाह विधानसभा क्षेत्रों के मृगपुरा, लीला का पुरा, मैथाना, हंसराज का पुरा, बंधा, नायक पुरा और अजीत पुरा समेत कई गांवों में फसलें प्रभावित हुई हैं। इसके साथ ही एमपी में मार्च महीने में तेज गर्मी, लू, बादल और हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। अलर्ट के अनुसार पहले सप्ताह में बादल छाएंगे। वहीं, चौथे सप्ताह में लू चलेगी। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग में 3 से 4 दिन लू चल सकती है। 20 मार्च के बाद कुछ जिलों में हल्की बारिश होने के आसार भी हैं।

15 मार्च के बाद 40 डिग्री पार पहुंचेगा पारा

मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि मार्च में बारिश के सामान्य से कम होने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, तापमान के सामान्य से अधिक रहने की

संभावना है। प्रदेश में मार्च से ही हीट वेव यानी लू भी चलेगी। 15 मार्च के बाद जब शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंचेगा, तब गर्म हवा का असर देखने को मिलेगा। मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। अगले 4 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मार्च से मई तक 15 से 20 दिन तक हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है।

मौसम विभाग ने मार्च महीने का जारी किया अनुमान

पहला सप्ताह: इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग में रात का तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री अधिक यानी 16-18 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। भोपाल, सागर, रीवा, शहडोल और चंबल संभाग में सामान्य 14-16 डिग्री तापमान रहेगा।दिन में पश्चिमी गर्म हवाओं के कारण अधिकतम तापमान इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, रीवा और शहडोल संभाग में सामान्य से अधिक यानी 32 से 34 डिग्री के बीच जाएगा। भोपाल, नर्मदापुरम, सागर और जबलपुर संभाग में यह सामान्य 30-32 डिग्री पर बना रहेगा। इस दौरान बारिश होने का अनुमान नहीं है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से बादलों की आवाजाही बनी रहेगी।

दूसरा सप्ताह: इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग में रात का तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री अधिक होगा जबकि गुजरात के ऊपर साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम की वजह से भोपाल, जबलपुर, सागर, रीवा, शहडोल, ग्वालियर और चंबल संभाग में तापमान सामान्य 15-17 डिग्री तक रहेगा। वहीं, अधिकतम तापमान इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग में सामान्य से बढ़े रहेंगे। भोपाल, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल और जबलपुर संभाग में यह सामान्य 31-34 डिग्री सेल्सियस पर बना रहेगा। इस दौरान बारिश की संभावना नहीं है। पश्चिमी और दक्षिणी हिस्से में बादल जरूर छाए रहेंगे।

तीसरा सप्ताह: रात में उत्तर-पश्चिमी हवाओं के जोर पकड़ने के साथ न्यूनतम तापमान इंदौर संभाग में सामान्य से 3-4 डिग्री बढ़कर 20-23 डिग्री तक जबकि शेष सभी संभागों में 19-21 डिग्री तक जाएगा। वहीं, पूरे प्रदेश में दिन में अधिकतम तापमान तेजी से बढ़ते हुए सामान्य से 2-4 डिग्री अधिक 34-38 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस और दक्षिण-पूर्वी हवाओं के मिलने के कारण पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में बादल छाए रह सकते हैं। गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी हो सकती है।

भोपाल में सामने आया डबल सुसाइड का सनसनीखेज मामला

पिता ने किचन में फांसी और बेटी ने बेडरुम में जहर खाकर की खुदकुशी

भोपाल। शहर के गोविंदपुरा थाना इलाके में दोहरी आत्महत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहॉं शक्ति नगर में भेल से रिटायर्ड वृ, को शव जहॉं फांसी के फंदे पर लटका मिला वहीं उनकी डॉक्टर बेटी का शव संदिग्ध हालात में बेडरूम में बिस्तर पर मिला है। घटना शनिवार रात की बताई जा रही है। पुलिस का अनुमान है कि बेटी को जहर देने के बाद पिता ने आत्महत्या की है।

घटना स्थल से पुलिस को चार पन्नों का सुसाइड नोट मिला है। जिसमें बेटी की मानसिक हालत ठीक नहीं होने और खुद को कई बीमारियों से ग्रस्त होने के कारण अपनी मर्जी से जान देने और एम्स में देहदान किये जाने की बात लिखी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, हरिकिशन शर्मा (82) और बेटी चित्रा शर्मा (36) शक्ति नगर में रहती थी।

हरिकिशन भेल से रिटायर्ड थे। बेटी होम्योपैथिक डॉक्टर थी। एक बेटी की शादी हो चुकी है, वह अपने पति के साथ भोपाल में ही सुसराल में रहती है। हरिकिशन की पत्नी का चार साल पहले और बेटे का कुछ साल पहले निधन हो चुका है। मां की मौत के बाद से बेटी चित्रा की दिमागी हालत ठीक नहीं थी। रविवार सुबह करीब 11 बजे पुलिस को सूचना मिली कि बेटी और पिता ने आत्महत्या कर ली है। मौके पर पहुंचे तो पिता का शव रस्सी से बने फंदे पर उनके कमरे में लटका मिला। बेटी का शव बेडरूम में बिस्तर पर था। थाना पुलिस ने बताया कि शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया गया।

मौके पर पड़ताल करने के दौरान चार पन्नों का एक सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें लिखा है कि मैं जिंदा दिल व्यक्ति हूं, किसी पर बोझ बनकर नहीं रहना चाहता। उम्र अधिक हो चुकी है। यह भी नहीं चाहता की मेरी मौत के बाद बेटी किसी पर बोझ रहे। जान देना ही आखिरी विकल्प बचा है। एम्स में देहदान के लिए प्रक्रिया पूरी कर चुका हूं। मौत के बाद बॉडी एम्स के सुपुर्द कर दी जाए, जिससे आने वाली पीढ़ी के डॉक्टर कुछ सीख सकें।

मानव अंगों के बारे में समझ सके। पुलिस ने बताया कि हरिकिशन भेल से रिटायर्ड होने के बाद से घर में ही होम्योपैथिक की डिस्पेंसरी चलाते थे। उनकी दूसरी बेटी ने बताया कि बेटे और पत्नी की मौत के बाद जहॉं पिता टूट गये थे, वहीं उनकी बहन चित्रा भी इसी तनाव में मेंटल डिसऑर्डर का शिकार हो गई थी।

सीनियर ने बीटेक छात्रा के साथ किया दुष्कर्म

पैसो की डिमांड के लिये करने लगा मारपीट

भोपाल। राजधानी भोपाल के अयोध्या नगर थाना इलाके में निजी कॉलेज से बीटेक चौथे वर्ष की छात्रा के साथ उसके सीनीयर द्वारा लिवइन में रखकर दुष्कर्म करने और बाद में पैसौ की मांग करते हुए मारपीट किये जाने का मामला सामने आया है।

थाना पुलिस के अनुसार 23 साल की युवती ने शिकायत करते हुए बताया की वह दूसरे शहर की है, और थाना इलाके में स्थित वृंदावन नगर में रहते हुए निजी कॉलेज से इजिंनियरिंग की पढ़ाई कर रही है। उसके कॉलेज में ही आरोपी छात्र गुंजन कुमार भी पढ़ता है। बिहार का रहने वाला गुंजन उसका सीनीयर है, जो यहॉं किराये

से रहता है। एक ही कॉलेज और सीनीयर होने के चलते पीड़िता की गुंजन से पहचान थी। दोस्ती होने पर गुंजन ने पढ़ाई के दौरान असाइनमेंट तैयार करने में उसकी मदद करते हुए नजदीकियां बढ़ाई और फिर प्रेम-जाल में फंसाकर सिंतबर 2024 में उसके साथ शारीरिक संबध बना डाले।

बाद में आरोपी ने जल्द शादी करने का वादा किया और किराये के कमरे में लिवइन पार्टनर के रुप में रहते हुए लगातार उसका दैहिक शोषण करता रहा। आरोप है, कि कुछ समय बाद ही आरोपी उससे पैसो की मांग करते हुए दबाव बनाने लगा और उसे परिवार से मिलने वाले खर्च के पैसै भी बलपूर्वक छीनकर खुद रखने लगा। छात्रा ने उसे कई बार उसे ऐसी हरकतें न करने की समझाइश दी। लेकिन आरोपी अपनी हरकतो से बाज नहीं आया उल्टा वह रकम देने की डिमांड करते हुए उसके साथ मारपीट करने लगा। उसकी हरकतो से तंग आकर छात्रा ने थाने जा पहुंची।

एपीके लिंक भेजकर सेना के जवान के खाते से उड़ाए 74 हजार

ऑनलाइन सामान बुक करने के बाद आने लगे थे अनजान कॉल

भोपल। निशातपुरा इलाके में स्थित द्रोणाचार्य टॉप आर्मी एरिया में रहने वाले सेना के एक जवान से साइबर ठगोरो ने एपीके लिंक भेजकर 74 हजार रुपए की ठगी कर ली।

जवान ने ऑनलाइन सामान बुक किया था, इसके बाद से ही उनके पास जालसाज के कॉल आने लगे और उसने इसी दौरान एपीके लिंक भेजा, जिसे क्लिक करते ही अलग-अलग बार में उनके बैंक खाते से 74 हजार रुपए निकल गए। पुलिस ने बताया कि हीरा

सिंह (40), द्रोणाचार्य टॉप आर्मी एरिया, निशातपुरा में रहते है। वह सेना में जवान हैं। जनवरी माह में उन्होंने ऑनलाइन सामान बुक किया था। ऑनलाइन बुकिंग करने के बाद कुछ दिन से ही उनके पास अनजान नंबर से कॉल आने लगे।

वह लगातार कॉल को नजर अंदाज करते रहे। इस बीच आरोपी जालसाज ने उन्हें व्हाट्सएप पर एपीके लिंक की फाइल भेजी। उस पर क्लिक करते ही बिना ओटीपी आए उनके खाते से 74 हजार रुपए दूसरे खाते में ट्रांसफर हो गए। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद केस दर्ज कर लिया है। जिन नंबरों से जवान को कॉल किए गए और जिस अकॉउंट में ठगी की रकम ट्रांसफर की गई पुलिस और नंबरों और बैंक अकाउंट के आधार पर जलसाज का सूराग जुटाने के प्रयास कर रही है।

कारपेंटर ने बाथरुम में फांसी लगाकर की आत्महत्या

परिजनो का आरोप गर्लफ्रेंड की महंगी डिमांड के चलते की खुदकुशी

भोपाल। शहर के पिपलानी थाना इलाके में स्थित आनंद नगर में रहने वाले एक कारपेंटर ने सुबह के समय अपने बाथरूम में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक युवक के परिजनो का आरोप है कि बेटे ने गर्लफ्रेंड की महंगी डिमांडो के चलते परेशान होकर फांसी लगाई है। हालांकि पुलिस का कहना है, कि घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट या अन्य सुराग नहीं मिला है।

मृतक की बहन ने युवक की गर्लफ्रेंड को पुलिस के हवाले कर दिया था, लेकिन कोई साक्ष्य नहीं मिलने के कारण पुलिस ने उसे छोड़ दिया है। फिलहाल मर्ग कायम कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार आनंद नगर में रहने वाला राज मीणा (18) इंडस्ट्रीयल एरिया में फर्नीचर फैक्ट्री में कारपेंटर का काम करता था।

रविवार सुबह जब वह अपने कमरे से बाहर नहीं आया तो परिजनों ने उसके कमरे में जाकर देखा तो राज का शरीर कमरे के भीतर बने बाथरूम में फंदे पर लटका हुआ नजर आया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया। परिवार वालो ने पुलिस को बताया कि राज का रत्नागिरी में रहने वाली एक लड़की से अफेयर था।

बेटे ने यह बात घर में भी बता रखी थी, लड़की दूसरे समाज की थी। हमें शादी से कोई आपत्ति नहीं है और उससे सही उम्र हो जाने पर शादी की बात कहते थे। परिवार का आरोप है, कि राज ने खदुकुशी से एक दिन पहले अपनी भाभी को बताया था, कि गर्लफ्रेंड गिफ्ट में आईफोन मांग रही है। लड़की उसे प्रताड़ित करने लगी थी। उसके प्रेम का फायदा उठाकर परेशान करती थी।

बात नहीं करने की धमकी देकर उसे तंग करती थी। और उसी लड़की से परेशान होकर राज ने जान दी है। मर्ग कायम कर पुलिस ने शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंपते हुए आगे की जॉच शुरु कर दी है। जॉच टीम का कहना है कि परिजनों के डिटेल बयान दर्ज किये जाने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

टेलीग्राम पर पेपर दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाला 12वीं पास आरोपी छिंदवाडा से गिरफ्तार

10वी 12वी का पेपर देने का झांसा देकर एकांउट में जमा कराता था रकम

भोपाल। साइबर क्राइम ब्रांच भोपाल की टीम ने टेलीग्राम पर ञएमपीबोर्डऑफिशियली और ञएमपीबोर्डऑफिशियल्स नाम से चैनल बनाकर छात्रो को दंसवी और 12वीं के पेपर दिलवाने का झांसा देकर ठगी करने वाले एक जालसाज को छिंदवाडा से गिरफ्तार किया है। आरोपी अपने फर्जी चैनल पर माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के लोगो (मोनो) एवं नाम का उपयोग करता था।

इसके बाद छात्रों को जाल में फंसाते हुए परीक्षा से पहले ही माध्यमिक शिक्षा मंडल का पेपर उपलब्ध कराने का झांसा देता और अपने एकांउट में रकम ट्रांसफर करवाकर फोन बंद कर लेता था। सायबर क्राइम ब्रांच के एडीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि टेलीग्राम ग्रुप के जरिए फर्जी पेपर बेचने की शिकायते मिलने पर थाना क्राइम ब्रांच में अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 319(2) बीएनएस एवं 66 (सी) 66(डी) आईटीएक्ट के तहत मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही थी। टीम ने जॉच के दौरान मिले तकनीकी सुरागो के आधार पर आरोपी दीपांशू कोरी पिता रमेश कोरी (19) निवासी, विवेक नगर, नंदन दमुआ जिला छिंदवाडा की पहचान जुटाई और उसे छिंदवाड़ा में घेराबंदी कर दबोच लिया।

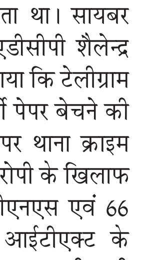

आरोपी दीपांशू 12वीं पास है, उसने माध्यमिक शिक्षा मंडल के नाम का लोगो प्रयोग कर टेलीग्राम एप पर ञएमपीबोर्डऑफिशियली और ञएमपीबोर्डऑफिशियल्स नाम से ग्रुप बनाये और 10वी,12वी के बच्चो को वार्षिक परीक्षा के प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने का झांसा देना शुरु किया।

इसके बाद बाद में शातिर ने उनसे अलग-अलग ग्रुप मे पॉच सौ से 1 हजार रुपये देने पर प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने का कहकर रकम टेलीग्राम के क्यू आर कोड के जरिये फर्जी खातो मे जमा करवा कर लिए। रकम आने पर शातिर बच्चो को गुमराह करते हुए उन्हें सेम्पल पेपर दे देता था। और फिर अपना मोबाइल बंद कर लेता था।

शुरुआती छानबीन में पता चला है कि ठग शिवम सैकड़ो बच्चो से ठगी कर चुका है। पुलिस ने उसके कब्जे से 2 मोबाईल फोन, 2 सिमकार्ड जप्त किये है। गौरतलब है कि इससे पहले भी सायबर क्राईम व्दारा टेलीग्राम पर एमपी बोर्डक्लास12 पेपर लीक और एमपीबोर्ड पेपर-ऑफिशियल के नाम से ग्रुप बनाकर 10वी,12वी के बच्चो को वार्षिक परीक्षा के पेपर दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले एक और आरोपी शिवम यादव पिता अरविंद सिह यादव (19), मानसी को भिंड से गिरफ्तार कर चुकी है।

आउटर पर ट्रैनो से चोरी करने वाला आदतन चोर साथियों सहित धराया

सोने-चॉदी के लाखो के जेवरात बरामद

भोपाल। राजधानी भोपाल की जीआरपी पुलिस ने आउटर पर चोरी करने वाले आदतन चोर को उसके दो साथियों सहित गिरफ्तार कर कई घटनाओ का खुलासा किया है। तीनो आरोपियो के पास से करीब 3 लाख के गहने बरामद किये गये है। पकड़ा गया एक आरोपी साहिल पूर्व मे भी जीआरपी भोपाल द्वारा दबोचा जा चुका है।

मिली जानकारी के अनुसार इसी साल 29 जनवरी को नागदा जिला उज्जैन निवासी फरियादी श्रीकांत गोखले ने अपनी शिकायत में बताया था की वह अपनी पत्नी के साथ इंदौर-जबलपुर ओवरनाइट एक्सप्रेस से देवास से जबलपुर का सफर कर रहे थे। भोपाल स्टेशन आने से पहले जब ट्रेन आरिफ नगर आउटर पर धीमी हुई उसी समय अज्ञात बदमाश उनकी पत्नि का लेडीज पर्स चोरी कर भाग गया। पर्स में सोने का

मंगलसूत्र, सोने की चूड़ी, सोने की चैन, टाप्स जरुरी कागजात सहित करीब पॉच लाख का माल रखा हुआ था। जॉच के बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला कायम कर जॉच शुरु की गई।

प्लेटफार्म और आऊटर पर खड़ी और स्लो होने वाली ट्रेनों से मुसाफिरो के साथ लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर अकुंश लगाने के लिये एसपी रेल भोपाल राहुल लोढ़ा ने टीम गठित कर विशेष अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये थे। थाना प्रभारी निरी0 जहीर खॉन ने बताया की इसी कड़ी में टीम गठित कर ट्रैनो को निशाना बनाने वाले बदमाशो की धरपकड़ के प्रयास किये जा रहे थे।

अभियान के दौरान ही मुखबिर से मिली सूचना पर टीम ने इंदौर-जबलपुर ओवरनाइट एक्सप्रेस में से श्रीकांत गोखले की पत्नि का पर्स चोरी करने वाले गिरोह के बदमाशो साहिल खॉन उर्फ़ बच्चा पिता नासिर (20) निवासी नवाब कॉलोनी निशातपुरा, मोहसिन खॉन उर्फ़ भूरा पिता शमीम खॉन (19) निवासी परवाखेड़ा थाना इटखेडी और अमन खॉन पिता साजिद (21) निवासी लाबाखेडा बायपास को धर दबोचा।

पूछताछ करने पर आरोपियो ने आरीफ नगर ब्रिज के पास आउटर पर खडी ट्रेनों से लेडीज पर्स चोरी किये जाने की घटना का खुलासा कर दिया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर सोने चांदी के जेवरात बरामद किये है।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार गौ सेवा का आदर्श स्थल बनेगा: राजेन्द्र शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार, गौ सेवा का आदर्श स्थल बनेगा। गौवंश वन्य विहार में अधोसंरचना व विकास के अधिकतर कार्य पूर्णता की ओर हैं। गौवंश वन्य विहार में संरक्षित गौवंश के गोबर व मूत्र से बनने वाले उत्पादों का विक्रय कर इसे पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। शुक्ल ने एक करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए प्रशासनिक भवन गौ कार्यालय का लोकार्पण किया। गौ-कार्यालय के नव निर्मित हॉल में समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री ने गौवंश वन्य विहार में शेष कार्यों की विभागवार जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि गौवंश वन्य विहार में जल की निर्बाध आपूर्ति होती रहे इसलिए आवश्यक है कि भूजल स्तर कम न हो। उन्होंने गौवंश वन्य विहार से लगे तालाब को नदी से भरने के निर्देश दिए। द्वितीय चरण के तहत नाला में रपटा कम स्टॉप डैम, चेकडैम तथा शेष बाउन्ड्रीवाल के निर्माण कार्य को स्वीकृत कर कार्य प्रारंभ करने के निर्देश बैठक में दिए गए।

यूक्रेन और नाटो देशों के साथ ट्रम्प का विश्वासघात, यूक्रेन को यूरोप का समर्थन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूक्रेन के साथ जिस तरह की सौदेबाजी की जा रही है। नाटो देशों को अमेरिका ने अलग-अलग करके रखा है। उससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ अमेरिका की थू- थू होना शुरू हो गई है। व्हाइट हाउस में जिस तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलस्कि के बीच में हाई वोल्टेज बहस देखने को मिली है। मीडिया के सामने जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी बैंस ने जेलेंस्की को धमकाया। इस घटना को देखने के बाद नाटो देश अब अमेरिका का साथ छोड़कर यूक्रेन के पक्ष में खुलकर सामने आ गए हैं। अमेरिका का कहना है कि उसने 10 लाख करोड़ की मदद यूक्रेन को दी है। वहीं नाटो देशों का कहना है, उन्होंने 12 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की मदद यूक्रेन को दी है। यूक्रेन के साथ पूर्व राष्ट्रपति जो वाइडेन और नाटो देशों के बीच रूस के खिलाफ जो सहमति बनी थी। उसके अनुसार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाटो देशों के साथ कोई बात नहीं कर रहे हैं। यूक्रेन से भी बात नहीं करना चाहते हैं। वह एक गैंगस्टर की तरह शांति वार्ता की डील करना चाहते हैं। जबकि यह युद्ध अमेरिका और नाटो देशों के सदस्य बनने के कारण रूस के साथ हुआ है। यूरोपीय यूनियन के उपाध्यक्ष काजा कलास का कहना है,जिस तरह से ट्रंप व्यवहार कर रहे हैं। उसके बाद फ्री वर्ल्ड को अब ट्रंप की आवश्यकता नहीं रही। यूक्रेन के पक्ष में नाटो और यूरोपीय देशों के 27 देश आ गए हैं। जिसके कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें यूरोप और अमेरिका में भविष्य में बढ़ने वाली हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो वाइडेन और नाटो देशों ने यूक्रेन को भरोसा दिलाया था। यूक्रेन नाटो देशों का सदस्य बनता है, तो उसे रूस के खिलाफ उसे हर संभव मदद दी जाएगी। यूक्रेन की रक्षा करने की जिम्मेदारी अमेरिका और नाटो देशों ने उठाई थी। सहायता को कर्ज नहीं माना जा सकता है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद पर डोनाल्ड ट्रंप के चुने जाने के बाद बड़ी तेजी के साथ स्थितियां बदल गई हैं। अमेरिका ने जो विश्वास यूक्रेन को दिलाया था। अमेरिका अब उससे पीछे हट रहा है। सहायता को कर्ज बताकर गुंडो की तरह ब्याज पर ब्याज लगाकर वसूल करना चाहता है। ट्रंप ने अपने सहयोगी नाटो देशों को भी इस मामले से अलग कर दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप,रूस के पक्ष में एजेंट की तरह काम करते हुए नजर आ रहे हैं। रूस ने जो हिस्सा यूक्रेन से युद्ध में जीत लिया है। समझौते में वह रूस को देने के लिए यूक्रेन पर दबाव डाल रहे हैं। वहीं यूक्रेन में जो माईनिंग और दूसरी खनिज संपदा है। उस पर अमेरिका अपना अधिकार जता रहा है। यूक्रेन को इसके बाद भी इस बात की गारंटी ना तो रूस देने तैयार है, नाही अमेरिका भविष्य में यूक्रेन पर कोई हमला नहीं होगा। इसकी गारंटी देने तैयार है। शांति को बनाए रखने के लिए दोनों देश यूक्रेन की मदद करेंगे,यह गारंटी नहीं मिलने से, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलस्की ने ट्रंप को व्हाइट हाउस में खरी -खरी सुना दी। वार्ता बीच में छोड़कर वह लंदन पहुंच गए। लंदन में यूरोपीय देशों के नेताओं की एक अति आवश्यक बैठक बुलाई गई है। जिसमें जर्मनी फ्रांस इटली सहित 27 देशों के नेता शामिल हो रहे हैं। पिछले तीन दिनों से पूरी दुनिया की राजनीतिक और सामरिक स्थितियां तेजी से साथ बदल गई हैं। यूक्रेन के समर्थन में यूरोप के सभी देश सामने आ गए हैं। नाटो देश भी यूक्रेन के समर्थन में खुलकर आकर खड़े हो गए हैं। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुसीबत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ गई है। अमेरिका के अंदर भी ट्रम्प की स्थिति खराब हो रही है। अमेरिका के राज्यों में भी ट्रंप के निर्णय को लेकर बगावत के स्वर देखने को मिल रहे हैं। ट्रंप और जेलेंस्की के बीच हुए विवाद के बाद यह माना जा रहा है। अमेरिकी सरकार यूक्रेन की मदद रोक देगा। यूक्रेन के ऊपर रूस हमला तेज कर सकता है। यूक्रेन को मदद देने के लिए यूरोपियन यूनियन के देश सामने आएंगे।

खतरा बनता बढ़ता तापमान

इस साल फरवरी के पहले ही हफ्ते में मैदानी राज्यों में गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू दिए। ध्यान रहे कि बीता साल भारत के लिए बेहद गर्म रहा था, जिसमें हर महीने औसतन न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया था। इस वर्ष जिन दिनों में वसंत की मधुरता का अहसास होना चाहिए, उन दिनों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश आदि में पारा बढ़ गया और महाराष्ट्र के विदर्भ, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और दमन-दीव के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 35-38 डिग्री के बीच रिकार्ड किया जा रहा है। दिल्ली और उसके आसपास का तापमान 28 डिग्री से पार होना सामान्य नहीं। बीते कुछ वर्षों में जब गर्मी अचानक बढ़ती थी तो मान लिया जाता था कि यह अल नीनो या ला नीना का असर है, लेकिन इस बार तो ला नीना अप्रभावी रहा। स्पष्ट है कि मौसम का बदलता मिजाज जलवायु परिवर्तन की मजबूत होती पकड़ की तरफ इशारा कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मौसम संस्था कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के अनुसार, इस साल जनवरी में विश्व का औसत तापमान 13.23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले साल की सबसे गर्म जनवरी से 0.09 डिग्री अधिक था। ऐसा तब हुआ, जब प्रशांत महासागर में ला नीना प्रभाव विकसित हुआ था। दक्षिणी अमेरिका से भारत तक के मौसम में बदलाव के सबसे बड़े कारण अल नीनो और ला नीना प्रभाव ही होते हैं। अल नीनो का संबंध भारत एवं आस्ट्रेलिया में गर्मी और सूखे से है, वहीं ला नीना अच्छे मानसून का वाहक है। इन दोनों घटनाओं का संबंध सुदूर पेरू के तट (पूर्वी प्रशांत) और आस्ट्रेलिया के पूर्वी तट (पश्चिमी प्रशांत) से है। हवा की गति इन प्रभावों को दूर तक ले जाती है। यहां जानना जरूरी है कि भूमध्य रेखा पर समुद्र पर सूर्य की किरणें सीधी पड़ती हैं। इस इलाके में पूरे 12 घंटे निर्बाध सूर्य के दर्शन होते हैं, जिससे सूर्य की ऊष्मा अधिक समय तक यहां की धरती की सतह पर रहती है। तभी भूमध्य क्षेत्र या मध्य प्रशांत इलाके में अधिक गर्मी पड़ती है। इससे समुद्र की सतह का तापमान प्रभावित रहता है। आमतौर पर सामान्य परिस्थिति में भूमध्यीय हवाएं पूर्व से पश्चिम की ओर बहती हैं और गर्म हो चुके समुद्री जल को आस्ट्रेलिया के पूर्वी समुद्री तट की ओर बहा ले जाती हैं। गर्म पानी से भाप बनती है और उससे बादल बनते हैं। परिणामस्वरूप पूर्वी तट के आसपास अच्छी वर्षा होती है। नमी से लदी गर्म हवाएं जब ऊपर उठती हैं तो उनकी नमी निकल जाती है और वे ठंडी हो जाती हैं। तब पश्चिम से पूर्व की ओर चलने वाली ठंडी हवाएं पेरू के समुद्री तट एवं उसके आसपास नीचे की और आती हैं। तभी आस्ट्रेलिया के समुद्र से ऊपर उठती गर्म हवाएं इससे टकराती हैं। इससे निर्मित चक्रवात को वाकर चक्रवात कहते हैं। अल नीनो परिस्थिति में पछुआ हवाएं कमजोर पड़ जाती हैं एवं समुद्र का गर्म पानी लौट कर पेरू के तटों पर एकत्र हो जाता है।

ग्रामीण शिक्षा में बड़ा बदलाव

उत्तर प्रदेश के एक छोटे से शहर में, जहां सड़कों के किनारे बंद पड़े स्कूलों की लंबी कतारें थीं, कुछ जुनूनी शिक्षकों ने एक अलग भविष्य की कल्पना की। उनका सपना था कि हर बच्चा, चाहे वह कहीं भी हो, अच्छी शिक्षा हासिल कर सके। इसी सोच से कॉगरैड की शुरुआत हुई। यह सिर्फ एक स्टार्टअप नहीं, बल्कि समाज में बदलाव लाने की एक कोशिश है, जिसे आईआईटी और एनआईटी के पूर्व छात्रों हिमांशु चौरसिया और सौरभ यादव ने मिलकर शुरू किया। आज कॉगरैड ग्रामीण भारत में पढ़ाई के तरीके को पूरी तरह बदल रहा है। वे बंद पड़े स्कूलों को किराए पर लेकर उन्हें आधुनिक लर्निंग सेंटर्स में बदल रहे हैं, जहां हर बच्चे को समान अवसर मिल रहे हैं। उनकी अनोखी सोच ने शार्क्स का ध्यान खींचा और उन्हें 1 करोड़ रुपये की डील मिली, जिससे उनका मिशन और आगे बढ़ेगा। हालांकि, अनुपम मित्तल और कुणाल शाह को लगा कि उन्हें एक समय में सिर्फ एक चीज़ पर ध्यान देना चाहिए, लेकिन रितेश अग्रवाल, विनीता सिंह और नमिता थापर ने कॉगरैड के विज़न को समझा और डील में शामिल हो गए। यह डील 50 लाख रुपये के बदले 6 प्रतिशत इक्विटी और 9 प्रतिशत ब्याज दर पर 50 लाख रुपये के लोन के रूप में फाइनल हुई। कॉगरैड के को-फाउंडर हिमांशु चौरसिया ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हमारा सपना छोटे शहरों के बच्चों को शिक्षित करना और उन्हें शहरी बच्चों के बराबर मौके देना है। हम मानते हैं कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा का अधिकार है, और हम इसे साकार करने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। शार्क्स - रितेश अग्रवाल, विनीता सिंह और नमिता थापर के साथ साझेदारी करके हमें बेहद खुशी हो रही है। उनके अनुभ और मार्गदर्शन से हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को और बेहतर और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। कॉगरैड अब सिर्फ स्कूलों तक सीमित नहीं रहेगा। वे टीचर ट्रेनिंग और मेधा एआई नामक एक टीचर ट्रेनिंग ऐप पर भी ध्यान दे रहे हैं, जिससे भारत के ग्रामीण इलाकों में शिक्षा में बड़ा बदलाव आएगा।

वन्यजीवों के अस्तित्व पर संकट और उनके संरक्षण की आवश्यकता

वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है।

धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत् विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष 'वन्यजीव संरक्षण वित्त-लोगों और ग्रह में निवेश' थीम

विश्व वन्यजीव दिवस

के साथ मनाया जा रहा है। जीव-जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र हैं, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली-भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव-जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरूद्ध कारवाई करना शामिल है। समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पाठक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक फ्लिपकार्ट से खरीद सकते हैं। पर्यावरण के असंतुलन का ही परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में अब देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'विश्व वन्यजीव दिवस' के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है। ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024' में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं। ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है। हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में 'वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट' बनाया गया था। उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए 'भारतीय वन अधिनियम' अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1956 में 'भारतीय वन अधिनियम' पारित किया गया और 1972 में देश में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने तथा अवैध शिकार, तस्करी और अवैध व्यापार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 'वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972' लागू किया गया। वर्ष 1983 में वन्य जीव संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' शुरू की गई, जिसके तहत वन्य जीवों को इंसानी अतिक्रमण से दूर रखने और उनकी सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पार्क और वन्य प्राणी अभयारण्य बनाए गए। जनवरी 2003 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन किया गया और अधिनियम के तहत अपराधों के लिए जुर्माना तथा सजा को अधिक कठोर बना दिया गया। बहरहाल, प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि वन्य जीवों का संरक्षण हम सभी की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वन्य प्राणियों की विविधता से ही धरती का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए लुप्तप्राय: पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

एनसीसी रोजगार के साथ-साथ अनुशासन भी पैदा करती है

एनसीसी एक ऐसा मंच है, जो छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ देश के प्रति जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित करता है। देश के शिक्षण संस्थानों में जो छात्र राष्ट्रीय सेवा या सशस्त्र बलों में अपना भविष्य देखते हैं, वे स्कूल और कॉलेज स्तर पर एनसीसी प्लेटफॉर्म को अपनाते हैं। भारतीय सेना का एक महत्वपूर्ण अंग एनसीसी विंग भारतीय सेना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ करियर के लिए भी प्रेरित किया जाता है।

भारतीय सेना में युवाओं को प्रेरित करेंएनसीसी की स्थापना की गई थी एनसीसी की तीन शाखाएं थल सेना, वायु और नौसेना विंग हैं। इसका उद्देश्य छात्रों को अनुशासित और देशभक्त नागरिक के रूप में तैयार करना है। इसका मुख्य कार्यालय दिल्ली में है और इसके क्षेत्रीय कार्यालय भारत के विभिन्न राज्यों में हैं। वर्ष 1948 से इस संगठन ने राष्ट्र निर्माण में बड़ा योगदान दिया है। विद्यार्थी जीवन में इसका बहुत महत्व है। देश के प्रति जिम्मेदार बनाता है एनसीसी छात्रों में पढ़ाई के साथ-साथ अनुशासन और देश के प्रति जिम्मेदारी भी पैदा करता है। काइस योजना के तहत छात्र स्कूल स्तर पर दो वर्षीय पाठ्यक्रम और कॉलेज स्तर पर तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। इस दौरान जहां छात्र अपना शैक्षणिक कोर्स करता है, वहीं वह एनसीसी के तहत एक विशेष जीवन परीक्षण सीखकर देश में सशस्त्र बलों में शामिल होने का रास्ता भी खोलता है। देशभर में कई स्कूल और कॉलेज एनसीसी के तहत छात्रों को तैयारी कराते हैं लेकिन यहां मुद्दा यह है कि कॉलेजों और स्कूलों में छात्र तो बहुत हैं लेकिन सीटें सीमित हैं। इसलिए बहुत कम विद्यार्थियों को एनसीसी मिल पाती हैहै इस समस्या के समाधान के लिए केंद्र सरकार ने नई शिक्षा नीति 2020 के तहत एनसीसी को वैकल्पिक विषय के रूप में शुरू करने का कदम उठाया है। इससे कई छात्र लाभान्वित हो सकते हैं. रोजगार के अवसर शैक्षणिक संस्थानों में एनसीसी को वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल करने के फैसले से देश के कैडेटों को बहुत फायदा होगा। राष्ट्रीय स्तर पर छात्र इसे एक विषय के रूप में तीन साल तक पढ़ेंगे तो भविष्य में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सीमावर्ती इलाकों के कैडेट्स को काफी फायदा होगा. विषय के पाठ्यक्रम के अनुसार कैडेट्स नंखासकर बी और सी सर्टिफिकेट परीक्षा पास करने में काफी फायदा होगा, जो 2 से 5 साल की निर्धारित प्रशिक्षण अवधि के बाद दी जाती है। शिक्षा क्षेत्र में इसकी शुरुआत एक वैकल्पिक विषय के रूप में हुई है। इस योजना के लिए राज्य सरकारों द्वारा सकारात्मक पहल की जा रही है और इस कदम को सही दिशा में एक दूरदर्शी भविष्य के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा 2020 के तहत, छात्र केवल संस्थानों द्वारा पेश किए गए इस प्लेटफॉर्म तक सीमित रहने के बजाय अपना विषय चुन सकते हैं। इसका उद्देश्य प्रशिक्षण को और अधिक संपूर्ण बनाना हैएक पेशा बनाने के लिए. इस क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को सुविधाजनक बनाना। वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़कर शिक्षा प्राप्त की जाएगी अपनी पढ़ाई के साथ-साथ वैकल्पिक विषय के रूप में एनसीसी की पढ़ाई करने से एक ओर जहां छात्र एनसीसी के बारे में पूरी तरह से शिक्षित हो जाएगा, वहीं दूसरी ओर इस पाठ्यक्रम के दौरान उसे अनुशासन के बारे में भी अच्छी तरह से पता चल जाएगा। एनसीसी एक ऐसा विषय है, जिसमें शारीरिक रूप से फिट रहने वाला छात्र देश की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में अच्छे से जानकर इस कोर्स में अपना भविष्य बना सकता है। भारत एक ऐसा देश हैजिसकी सीमा कई देशों से लगती है और एक विकासशील देश होने के बावजूद इसके पड़ोसी देशों के साथ संबंध बहुत अच्छे नहीं हैं। इसलिए छात्रों को देश की सशस्त्र सेनाओं में रोजगार के अवसर तभी मिल सकते हैं जब उन्हें शिक्षा के रूप में ऐसा प्रशिक्षण दिया जा सके। विद्यार्थियों में चेतना जागृत करने में सहायता करें एनसीसी दुनिया का सबसे बड़ा वर्दीधारी संगठन है, जिसमें वर्तमान में सेना, वायु सेना और नौसेना विंग के तहत लगभग 1.4 लाख कैडेट हैं। इस मंच का उपयोग युवाओं में देशभक्ति और नेतृत्व की भावना पैदा करने के लिए किया जाता हैमदद करता है एनसीसी को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। ढेर सारी नई तकनीक और अत्याधुनिक उपकरणों के साथ भारतीय सेना दुनिया की महत्वपूर्ण सेनाओं में अपनी जगह बनाने में सफल रही है। इस समय हर देश अपनी सेनाओं की बेहतरी के लिए काम कर रहा है।

कामकाजी महिलाओं की चुनौतियां

वैश्वीकरण के दौर में शुरू किए गए आर्थिक और तकनीकी परिवर्तनों के फलस्वरूप महिलाओं की तुलना में पुरुषों को आमतौर पर अपेक्षाकृत अधिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिले। इसके कारण अधिकतर महिलाओं को अनौपचारिक क्षेत्र या आकस्मिक श्रमबल में प्रवेश करना पड़ा।

भारत में कुल कामगारों में से असंगठित क्षेत्र में कार्यरत कार्यबल का लगभग 33 फीसद हिस्सा महिलाओं का है। यह स्पष्ट है कि अनौपचारिक क्षेत्र भारत में बड़ी संख्या में महिला श्रमिकों को आजीविका प्रदान करता है। भारतीय परिवारों पर आर्थिक दबाव दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। देश में जीवन निर्वाह लागत, बच्चों की शिक्षा के लिए खर्च और आवास संपत्तियों की लागत में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हर परिवार को अपनी आय बढ़ाने के 5 तरीके तलाश करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

इस कारण देश में रोजगार मामले में महिलाओं की सहभागिता बढ़ी है। भारत सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय की रपट के अनुसार असंगठित क्षेत्र में महिलाओं के स्वामित्व वाले प्रतिष्ठानों की संख्या वर्ष 2022-23 के 22.9 फीसद से स बढ़ कर वर्ष 23-24 में 26.2 फीसद हो गई। श्रम मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के नए सदस्यों में महिलाओं की हिस्सेदारी बीते सितंबर के 26.1 फीसद से बढ़ कर अक्तूबर में 27.9 फीसद हो गई। यह वृद्धि कोई उल्लेखनीय नहीं कही जा सकती। कामकाजी महिलाओं के संबंध में एनएसओ की वर्ष 2024 में जारी रपट के अनुसार शहरों में कुल 52.1 फीसद महिलाएं और 45.7 फीसद पुरुष कामकाजी हैं। मगर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं नौकरियों में अब भी पुरुषों से पीछे हैं, हालांकि पिछले छह वर्षों में उनकी हिस्सेदारी दोगुनी हो गई और यह 5.5 फीसद से 10.5 फीसद तक पहुंच गई। शहरी कामकाजी महिलाओं में से 52.1 फीसद नौकरीपेशा, 34.7 फीसद स्वरोजगार में तथा 13.1 फीसद अस्थायी श्रमिक हैं। इंडिया एट वर्क की रपट 2024 अनुसार इस साल नौकरियों के लिए कुल सात करोड़ आवेदन आए, जिनमें 2.8 करोड़ महिलाओं के थे। यह संख्या 2023 की तुलना में 20 फीसद अधिक है। देश के रोजगार परिदृश्य में बदलाव आ रहा है और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। रपट के अनुसार 2023 के मुकाबले 2024 में महिला पेशेवरों के औसत वेतन में भी 28 फीसद की वृद्धि हुई। इस सब के बावजूद संगठित क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र की तुलना में महिलाओं के कम रोजगार का मुख्य कारण कम कौशल और कम वेतन पर काम करने के लिए तैयार होने की मजबूरी है। देश में पुरुषों और महिलाओं के बीच वेतन में लगभग 25.4 फीसद का अंतर है।

अधिकांश असंगठित क्षेत्र के व्यवसाय जैसे मिट्टी के बर्तन बनाने, कृषि, निर्माण कार्य, हथकरघा, घरेलू सेवाएं और घरेलू उद्यमों में महिलाएं कार्यरत हैं। असंगठित क्षेत्र में महिला श्रमिक आमतौर पर बहुत कम वेतन पर बीच-बीच में काम करने वाले आकस्मिक श्रमिक के रूप में कार्यरत हैं। उनको अत्यधिक शोषण का सामना करना पड़ता है, जिनमें काम की लंबी अवधि अस्वीकार्य कार्य परिस्थितियां और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बनी रहती हैं। भर्ती एजेंसी टीमलीज सर्विसेज की एक रपट के अनुसार भारत में दस में से पांच महिला कर्मचारियों ने किसी न किसी तरह के लैंगिक भेदभाव का अनुभव किया है। यह भेदभाव वेतन, कार्य के घंटे, अवकाश, अवसर और पदोन्नति के मामले में है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों वाली महिलाओं को भी भर्ती प्रक्रिया के दौरान और नौकरी की संभावनाओं के लिए प्रतिस्पर्धा करते समय नुकसान उठाना पड़ता है। कामकाजी महिलाएं हों या अपना कारोबार करने वाली, उन्हें काम पर तुलनात्मक रूप से अधिक चुनौतियों का सामना सिर्फ इसलिए करना पड़ रहा है, क्योंकि वे महिला हैं। यह धारणा कि महिलाएं केवल विशिष्ट कार्यों के लिए ही उपयुक्त हैं।

न्यायालयों में अनसुलझे मामलों की बढ़ती हुई संख्या

भारतीय न्यायालयों में अनसुलझे मामलों का मुद्दा एक बड़ी चुनौती है, जिसने न्याय प्रणाली को गहराई से प्रभावित किया है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या न्याय प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई वर्तमान प्रणाली की प्रभावशीलता और दक्षता पर गंभीर सवाल उठाती है। ऐसी देरी का कानूनी ढांचे पर हानिकारक और व्यापक प्रभाव पड़ता है।

प्रियंका सौरभ

लंबी कानूनी प्रक्रियाएँ न्याय की पहुँच में बाधा डाल सकती हैं, जिससे व्यक्तियों और व्यवसायों दोनों को नुक़सान होता है। जैसे-जैसे मामले लंबित होते हैं, कानूनी प्रणाली में जनता का भरोसा कम होता जाता है, जिससे इसकी विश्वसनीयता को लेकर निराशा और संदेह पैदा होता है। नतीजतन, लोग विवादों को निपटाने के लिए वैकल्पिक साधनों की ओर रुख कर सकते हैं। यह लंबित मामला देरी का एक चक्र बनाता है, जिससे अदालतों के लिए नए मामलों को निपटाना मुश्किल हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अंततः अनसुलझे मामलों की संख्या लगातार बढ़ती जाती है। देश की न्याय व्यवस्था कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों से जूझ रही है, जिसका मुख्य कारण भारतीय अदालतों में अभी भी 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यह लंबित मामले न केवल न्याय में देरी करते हैं, बल्कि कानूनी व्यवस्था में लोगों का भरोसा भी कम करते हैं। इनमें से कई मामले एक दशक से अधिक समय से लंबित हैं, जिनमें से लगभग 50 लाख मामले दस साल से भी अधिक समय पहले शुरू किए गए थे। नीति आयोग ने सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर दिया है, चेतावनी दी है कि मामले के समाधान की वर्तमान गति से, केवल निचली अदालतों में लंबित मामलों को हल करने में 300 साल से अधिक लग सकते हैं। भारत में, लंबित मामलों का अर्थ कानूनी ढांचे के भीतर अनसुलझे मामलों की भारी संख्या है। स्थिति विशेष रूप से निचले न्यायिक स्तरों पर गंभीर है, जहाँ अधिकांश मामले दायर किए जाते हैं और न्यायाधीशों की कमी से निपटान नहीं होता है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या भारतीय न्याय वितरण प्रणाली के लिए एक बड़ी चुनौती है। लंबी कानूनी प्रक्रियाएँ न्याय में देरी न्याय से वंचित होने के समान है कहावत

को चरितार्थ करती हैं, क्योंकि वे जनता के विश्वास को ख़त्म करती हैं और व्यक्तियों को समय पर न्याय से वंचित करती हैं। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद जैसे मामलों के लंबे समाधान ने सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ दिया है, जिसमें लगभग 70 साल लग गए। अदालतों में मामलों की विशाल मात्रा अदालती दक्षता में बाधा डालती है और लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि करती है, जिससे त्वरित न्याय लगभग असंभव हो जाता है। सर्वोच्च न्यायालय में 82, 000 से अधिक और उच्च न्यायालयों में 62 लाख से अधिक मामले लंबित होने के कारण, निर्णयों में बड़ी देरी आम बात है। मुकदमेबाजी का वित्तीय बोझ आर्थिक विकास को भी बाधित करता है, क्योंकि यह संसाधनों को ख़त्म करता है और व्यक्तियों और व्यवसायों को कानूनी कार्यवाही करने से हतोत्साहित करता है। भारत में न्यायिक देरी की अनुमानित लागत दो मिलियन डॉलर से अधिक है। न्याय प्रणाली पर लंबित मामलों का प्रभाव गहरा और दूरगामी है। लंबे समय तक चलने वाले मामले कानूनी प्रणाली में जनता के विश्वास को ख़त्म कर सकते हैं, जिससे इसकी प्रभावशीलता के बारे में निराशा और संदेह पैदा होता है, जिससे कुछ लोग वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की तलाश करने लगते हैं। देरी का यह चक्र समस्या को और बढ़ाता है। न्यायिक देरी में योगदान देने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक जनसंख्या के लिए न्यायाधीशों का अपर्याप्त अनुपात है। भारत में, विकसित देशों की तुलना में कानूनी प्रणाली बहुत धीमी गति से काम करती है, जहाँ हर दस लाख निवासियों के लिए केवल 21 न्यायाधीश उपलब्ध हैं। सरकार सबसे बड़ी वादी है, जो सभी लंबित मामलों में से लगभग आधे मामलों के लिए ज़िम्मेदार है, जिनमें से कई तुच्छ मुद्दों पर अपील में बंधे हैं। सीमित कोर्ट रूम स्पेस और पुरानी केस मैनेजमेंट प्रथाओं जैसी चुनौतियों से लंबी अदालती कार्यवाही और भी जटिल हो जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय मध्यस्थता केंद्र ने 15 वर्षों में 200, 000 से अधिक मामलों को सफलतापूर्वक हल किया है, जो वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की प्रभावशीलता को उजागर करता है। दुर्भाग्य से, वकील और वादी दोनों अक्सर स्थगन का दुरुपयोग करते हैं, जिसके कारण मामले सालों या दशकों तक टल जाते हैं। मैन्युअल दस्तावेज़ीकरण और पुरानी कानूनी प्रक्रियाओं पर निर्भरता मामलों के समय पर समाधान में बाधा डालती है, जिससे अनावश्यक नौकरशाही बाधाएँ पैदा होती हैं। लंबित मामलों के बैकलॉग को कम करने के लिए, यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है कि कार्यवाही निरंतर हो। इसमें बढ़ती आबादी को समायोजित करने के लिए न्यायालय स्टाफिंग और बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है। न्यायालयों की संख्या बढ़ाने और पर्याप्त सहायक कर्मचारियों को नियुक्त करने से प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिल सकती है। मामलों को अधिक तेज़ी से ट्रैक करने और आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी केस प्रबंधन रणनीतियों को लागू करना भी महत्त्वपूर्ण है। उचित रूप से प्रबंधित मामलों के समय पर समाधान तक पहुँचने की अधिक संभावना होती है। कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कानूनों की नियमित समीक्षा और संशोधन अनिश्चितता को कम करने और कानूनी कार्यवाही में तेजी लाने के लिए आवश्यक है। वाणिज्यिक विवादों के त्वरित समाधान की सुविधा के लिए, वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम 2015 स्थगन पर सख्त नियम लागू करता है। मुकदमेबाजी से पहले मध्यस्थता को अनिवार्य करके वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देने से अदालतों पर बोझ कम करने में मदद मिल सकती है। मध्यस्थता अधिनियम (2023) वाणिज्यिक और नागरिक विवादों में मध्यस्थता को अनिवार्य बनाकर इसका समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य अदालती लंबित मामलों को कम करना है। एक मज़बूत लोकतंत्र न्याय के त्वरित और प्रभावी वितरण पर निर्भर करता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप , 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन -1 , एमपी नगर , भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं प्लाट नम्बर 3, साईं दिशा कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो : - 09977701999, समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार , मो :- 09425002527, फोन: 0755-4222349, ईमेल आईडी: madhyaswarnim@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। आरएनआई रजिस्टर्ड क्रमांक:- MPHIN/2013/52452

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

साइबर सुरक्षा पर उद्यमियों का प्रशिक्षण 5 से

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। उद्यमिता विकास केन्द्र (सेडमैप) द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र में कार्यरत उद्यमियों, प्रबंधकों तथा सुपरवाईजर स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 5 से 10 मार्च तक कटंगा स्थित सेडमैप कार्यलय में साइबर सुरक्षा पर पांच दिवसीय प्रबंधन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिला समन्वयक उद्यमिता विकास केन्द्र अजय तिवारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक प्रशिक्षणार्थी प्रथम आओ, प्रथम पाओ के तहत 3 मार्च तक कार्यालयीन समय में पंजीयन करा सकते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को साइबर सुरक्षा, स्मार्ट सुरक्षा, फ़ाइलों और उपकरणों की सुरक्षा, डेटा की सुरक्षा, व्यवसाय ईमेल, साइबर बीमा पॉलिसी, सॉफ़्टवेयर सुरक्षा एवं रिमोट एक्सेस डिवाइस की सुरक्षा आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण के सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति मोबाइल नंबर 7000233930 पर अथवा उद्यमिता विकास केंद्र के उद्योग भवन, कटंगा स्थित कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

विदिशा जिले के 250 किसानों ने मुख्यमंत्री का आभार माना

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा गेहूं उपार्जन पर कृषकों को बोनस राशि दिये जाने की घोषणा के उपलक्ष्य में आज रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर किसानों का आभार प्रदर्शन आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में विदिशा जिले से चार बस एवं अन्य चार पहिया वाहनों द्वारा 250 किसान मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के द्वारा गेहूं का समर्थन मूल्य 2425 रुपए के अतिरिक्त 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस एवं धान विक्रय पर भी प्रोत्साहन राशि दिये जाने पर सम्मिलित कृषकों द्वारा उक्त आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी का आभार प्रदर्शन किया गया है।

फरशी पत्थर के अवैध खनन पर दो ट्रक पत्थर पोकलेन मशीन से नष्ट किए

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)। जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनिज के परिवहन तथा भंडारण करने पर लगातार कार्यवाहियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में आज पठारी तहसील क्षेत्र में खनिज विभाग की टीम द्वारा आकस्मिक निरीक्षण कर जांच के दौरान पठारी ट्राईबल हॉस्टल के पीछे हाथी घोड़ा खदान पर फरशी पत्थर के अवैध खनन पर टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए तकरीबन दो ट्रक पत्थर पोकलेन मशीन की मदद से नष्ट किए गए हैं और अवैध खनन में लिप्त आईशर ट्रैक्टर ट्रॉली क्रमांक एमपी 40 एए 0261 द्वारा गौण खनिज भसुआ का अवैध परिवहन करते हुए पाए जाने पर जप्त कर पुलिस थाना पठारी प्रांगण में पुलिस अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है।

पीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत हितग्राही सम्मेलन आयोजित

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन कि निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत जिले को प्राप्त लक्ष्य को समय सीमा में पूरा करने के लिए क्लस्टर लेवल पर प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, ताकि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास निर्माण के बारे में विस्तृत जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया जा सके तथा आवासों का निर्माण समय सीमा में हो सके। सम्मेलन में मकान का नक्शा लेआउट सहित चरण दर चरण निर्माण की पूरी जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में आष्टा जनपद के ग्राम शुखूखेड़ा में 05 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियों सम्मेलन आयोजित किया गया ।हितग्राही सम्मेलन में हितग्राहियों को बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सीहोर जिले को 24,388 आवासों का नवीन लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस लक्ष्य के तहत सीहोर जिले में नवाचार कर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राहियों के लिए जिले के प्रत्येक कलस्टर में हितग्राही सम्मेलन आयोजित किये जा रहे हैं। आयोजित हितग्राही सम्मेलन में हितग्राहियों एवं आमजनों को आवास योजना के बारे विस्तार से जानकारी दी गई।

15 मार्च से 05 मई तक किया जाएगा गेंहू उपार्जन

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)। शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन कार्य के लिए उपार्जन नीति जारी की गई है। जारी उपार्जन नीति के अनुसार 15 मार्च 2025 से 05 मई 2025 तक गेहूं का उपार्जन किया जाएगा। पहले उपार्जन की तिथि 01 मार्च 18 अप्रैल निर्धारित की गई थी, पर अब शासन द्वारा इसमें संशोधन करते हुए उपार्जन की तिथि 15 मार्च से 05 मई निर्धारित की गई है। कलेक्टर बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों को जारी उपार्जन नीति के अनुसार उपार्जन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर बालागुरू के. के आदेशानुसार गेहूं उपार्जन के लिए जिले में एमपीडब्ल्यूएलसी स्वनिर्मित गोदामों को जिला उपार्जन समिति की अनुशंसा एवं निर्णय के उपरांत विभिन्न तहसीलों में सेवा सहकारी विपणन समितियों को गेहूं उपार्जन के कार्य के लिए नियुक्त किया गया है। कलेक्टर बालागुरू के. द्वारा जारी आदेशानुसार आष्टा तहसील के लिए आष्टा स्थित सहकारी विपणन संस्था मर्यादित को नियुक्त किया गया है।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होंगे

विप्र समाज करेगा बालकों का उपनयन संस्कार, 28 अप्रैल को विशाल रैली निकाली जाएगी

गंजबासौदा (दीपेश जैन, मध्य स्वर्णिम)

स्थानीय नौ देवी पीपलेश्वर माता मंदिर पर ब्राह्मण समाज की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी माह अप्रैल में अक्षय तृतीया भगवान परशुराम जन्मोत्सव समेत अनेक विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी माह में भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर तीन दिवसीय आयोजन बड़े ही धूम धाम से मनाया जाए। प्रथम दिवस 27 अप्रैल को ब्राह्मण बालकों का उपनयन संस्कार का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसका स्थान ब्राह्मण समाज धर्मशाला स्थल वेदन खेड़ी रहेगा। दूसरे दिन 28 अप्रैल को विशाल व भव्य वाहन रैली नगर के मुख्य मार्गों से निकाली जायेगी। तृतीय दिवस 29 अप्रैल को नगर में ब्राह्मण समाज भगवान परशुराम का भव्य चल समारोह निकलेगा। साथ ही सर्व सम्मति से बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी जून माह में 9 से 13 जून तक पांच दिवसीय एक प्रशिक्षण कर्मकांडी ब्राह्मण बालकों के लिए भी आयोजित किया जायेगा। प्रशिक्षण के पांच दिवसीय कार्यक्रम के लिए संयोजक की जिम्मेदारी, कैलाश नारायण शर्मा को दी गई, जबकि आचार्य के लिए मुन्ना लाल शास्त्री को नियुक्त किया गया है। वहीं प्रशिक्षण में शिक्षक के रूप में अभिषेक महाराज को जिम्मेदारी सौंपी गई।

यह समस्त निर्णय ब्राह्मण समाज की बैठक में सर्वसम्मति से लिए गए हैं। साथ ही आगामी माह में होली मिलन समारोह , ब्राह्मण समाज की व्यवस्थित कार्यकारणी , संचालन समिति सहित अनेक सामाजिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष संतोष शर्मा के अलावा विश्व हिंदू परिषद के पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश तिवारी, आर सी शर्मा, मुन्ना लाल शास्त्री, कैलाश नारायण शर्मा मनीष पाठक, घनश्याम शर्मा, श्रीकृष्ण तिवारी, सुमित मिश्रा, मनोज रावत, दीपक शर्मा सहित अनेक ब्राह्मण समाज जन उपस्थित रहे।

लश्कर क्षेत्र की बस्तियों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार जारी रहेगा : कुशवाह

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। लश्कर क्षेत्र की बस्तियों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार जारी रहेगा। इसके लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शहरों की पिछड़ी बस्तियों के विकास के लिए लगातार धन उपलब्ध करा रही है। यह बात उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कही। श्री कुशवाह शनिवार को शहर के वार्ड क्र 49 की विभिन्न बस्तियों की गलियों में सड़क निर्माण कार्यों का भूमि पूजन करने पहुँचे थे। मंत्री श्री कुशवाह ने इस अवसर पर कन्या पूजन किया और कन्याओं से ही सड़कों का भूमि पूजन कराया। कायाकल्प योजना के तहत वार्ड-49 में स्थित लश्कर क्षेत्र के अंतर्गत मुड़कटो बीजासेन माता मंदिर, काला सैयद तारागंज, हारकोटा सीर व हरिअन्ना की पायगा क्षेत्र की गलियों में लगभग 52 लाख रुपये की लागत से यह सड़के बनाई जायेंगी। सड़कों के भूमि पूजन कार्यक्रम में भगतजी श्री प्रेम नारायण झा तथा सर्वश्री सतीश बोहरे, रमेश सेन व श्री नरेश पुरूषवानी सहित अन्य क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

गिट्टी के अवैध परिवहन में लिप्त तीन ट्रक जब्त

रात्रिकालीन गश्त के दौरान खनिज विभाग की टीम ने पकड़े ट्रक

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

ग्वालियर । जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण रोकने के लिये कलेक्टर रुचिका चौहान ने रात्रिकाल में भी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस कड़ी में खनिज विभाग की टीम ने शनिवार की देर रात छापामार कार्रवाई कर गिट्टी के अवैध परिवहन में लिप्त तीन ट्रक जब्त किए हैं।

जिला खनिज अधिकारी प्रदीप भूरिया ने बताया कि खनिज विभाग की टीम ने शनिवार की रात सिरोल एवं पुरानी छावनी क्षेत्र में वाहनों की जाँच की। इस दौरान तीन ट्रक गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किए गए हैं। जब्त किए गए ट्रक पुलिस अभिरक्षा में खड़े कराए गए हैं। साथ ही गिट्टी के अवैध परिवहन में लिप्त लोगों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। कलेक्टर चौहान ने खनिज पदार्थों के अवैध परिवहन व उत्खनन को रोकने के लिये रात्रिकाल में लगातार गश्त करने के निर्देश खनिज विभाग के अधिकारियों को दिए हैं।

जन आरोग्य हेरिटेज वॉक का आयोजन कर ग्वालियर में जन औषधि सप्ताह का शुभारंभ

जन औषधि दिवस एक मार्च से 7 मार्च तक जन औषधि सप्ताह मनाया जा रहा है

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

जन आरोग्य हेरिटेज वॉक का आयोजन कर ग्वालियर में जन औषधि सप्ताह का शुभारंभ हुआ। देश भर में जन औषधि दिवस एक मार्च से 7 मार्च तक जन औषधि सप्ताह मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों की श्रंखला में रविवार को जन आरोग्य हैरीटेज वॉक निकाली गई। इसमें जिले में संचालित प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों के संचालकों, प्रतिनिधियों व प्रतिभागियों ने भाग लिया। ड्रग इंस्पेक्टर अनुभूति शर्मा ने बताया कि शहर के ऐतिहासिक विरासत मोतीमहल स्थित बैजाताल परिसर में जन आरोग्य हैरीटेज वॉक निकली। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने मोतीमहल की स्थापत्य कला देखी। इंडियन सिटी वॉक्स की ओर से मती कामा माहेश्वरी द्वारा सभी प्रतिभागियों व वॉक में शामिल बच्चों को मोतीमहल व ग्वालियर से सम्बंधित इतिहास का परिचय कराया गया। मोतीमहल की दीवारों पर स्वर्ण, कुंदन, व मीनाकारी से उकेरे गए सभाओं, युद्धभूमि, राग रागिनी, वाद्य यंत्रों के सुंदर चित्रण की ऐतिहासिक महत्वत्ता को समझाया गया। प्रसिद्ध कलाकर दीपंकर गोस्वामी के संगत के दौरान बनाये गए विभन्न फ़नकारों के सजीव चित्रण की प्रदर्शनी का अवलोकन भी कराया गया।

कलेक्टर चौहान ने छात्रावासों का किया औचक निरीक्षण, अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास की बालिकाओं के साथ बैठकर किया दोपहर का भोजन

छात्रावासों के बच्चों का हर माह स्वास्थ्य परीक्षण कराने और कम्प्यूटर लैब स्थापित करने के दिए निर्देश

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

रविवार की छुट्टी के दिन छात्रावास की कुछ बालिकायें खेल रहीं थीं तो कुछ पढ़ाई कर रहीं थीं। इसी बीच कलेक्टर रुचिका चौहान छात्रावास की व्यवस्थाओं की वस्तुस्थिति जानने पहुँच गईं। अपने बीच कलेक्टर को पाकर एक बारगी बालिकायें अचंभित हुईं। इसके बाद खुलकर बातचीत की। यहाँ बात हो रही है शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर बालिका छात्रावास तारागंज की, जिसके औचक निरीक्षण के लिए कलेक्टर चौहान रविवार की दोपहर पहुँचीं थीं। इसी कड़ी में उन्होंने गोल पहाड़िया स्थित शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास का निरीक्षण भी किया। कलेक्टर चौहान ने बालिकाओं से छात्रावास की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। साथ ही उनके साथ बैठकर दोपहर का भोजन भी किया। उन्होंने इस छात्रावास की व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। इसी तरह उन्होंने बालक छात्रावास गोल पहाड़िया के बच्चों से भी व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की। बच्चो ने छात्रावास की व्यवस्थायें बेहतर बताईं। इन छात्रावासों के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर चौहान ने दोनों छात्रावासों में निवासरत बच्चों का हर माह स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिये मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए हैं। साथ ही सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग श्री राकेश गुप्ता को निर्देश दिए कि छात्रावास में कम्प्यूटर लैब, डायनिंग टेबल एवं अन्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिये एस्टीमेट तैयार कराएँ। उन्होंने छात्रावास में अक्षय ऊर्जा विभाग के माध्यम से सोलर सिस्टम लगवाने के निर्देश भी इस अवसर पर दिए।

शासन की विभिन्न योजनाओं में 381 हितग्राहियों को 4 करोड़ 77 लाख का ऋण स्वीकृत एवं वितरित किया

14 कंपनियों द्वारा पंजीकृत 246 आवेदकों में से 135 आवेदकों का चयन किया

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

युवाओं को निजी कंपनियों के विभिन्न पदों पर चयन करने तथा शासकीय योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगारमुखी बनाने के उद्देश्य से जनपद पंचायत कुरवाई में विधायक हरिसिंह सप्रे के मुख्य आतिथ्य में रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया गया था।

मेले का शुभारंभ विधायक हरिसिंह सप्रे, जनपद अध्यक्ष कुरवाई ममता महाराज सिंह दांगी, सीताराम सैनी, अध्यक्ष जनभागीदारी समिति, दीपचन्द सप्रे, जनपद सदस्य, एसडीएम नितिन जैन, जनपद सीईओ आयुष अग्रवाल, तहसीलदार संदीप शर्मा द्वारा दीपप्रज्वलन कर किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न सेक्टरों की कुल 14 कंपनियों द्वारा पंजीकृत 246 आवेदकों में से 135 आवेदकों का चयन किया तथा शासन की विभिन्न योजनाओं अंतर्गत कुल 381 हितग्राहियों को 4 करोड़ 77 लाख का ऋण स्वीकृत एवं वितरित कियेगये। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक अशोक वास्तव द्वारा युवा संगम कार्यक्रम के उद्देशों को रेखांकित करते हुये विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। इसी प्रकार अन्य विभागों द्वारा भी उनके द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का आयोजन संयुक्त रूप से जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, विदिशा, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं रोजगार विभाग द्वारा किया गया था। इस अवसर पर अनुराग वास्तव, प्राचार्य आईटीआई विदिशा, एनसी जैन, प्राचार्य आईटीआई कुरवाई, जिला अग्रणी बैंक अधिकारी बघेल, अनूपदुबे, प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, विदिशा अनुरूप चतुर्वेदी रोजगार कार्यालय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का आभार जंयती कुमारी, सहायक प्रबंधक ने व्यक्त किया।

सम्राट अशोक सागर बांध से कालिदास स्टाप डैम में पानी पहुंच व्यवस्था क्रियान्वित

वर्तमान में बेतवा नदी में लगभग एक मिलियन क्यूबिक मीटर भर चुका है

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री रमेश चैहान ने बताया कि सम्राट अशोक सागर बांध से आरबीसी नहर में 22 फरवरी की शाम से बेतवा नदी पर स्थित कालिदास स्टाप डैम भरने के लिए पानी छोड़ दिया गया है। जिससे बेतवा नदी में निरंतर पानी पहुंच व्यवस्था क्रियान्वित है। वर्तमान में बेतवा नदी में लगभग एक मिलियन क्यूबिक मीटर पानी सम्राट अशोक सागर डैम से भर चुका है। सम्राट अशोक सागर डैम द्वारा छोड़ गया पानी बेतवा नदी में पहुंचे की व्यवस्था की निगरानी कार्यपालन यंत्री श्री चैहान सहित अधीनस्थ अमले के द्वारा की जा रही है और अवरुद्ध उत्पन्न करने वाले संसाधनों को हटाये जाने कार्यवाही की जा रही है। डेम में छोड़े गए पानी को नहर में बांध बनाकर किसानों द्वारा रोके जाने पर तहसीलदार, पुलिस और विभागीय टीम द्वारा कार्यवाही कर इन रोके को भी हटाया गया है। बेतवा नदी में पानी पहुंचे तथा रास्ते में किसानों द्वारा अवैध रूप से लगाए गए रोके पुलिस व राजस्व विभाग की टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए हटा रही है। जिसके तहत ग्राम देव खजूरी के किसान द्वारा ग्राम सेमरासूखा में नहर को बांधकर जल प्रवाह को रोक दिया गया था जिसे मौके पर पहुंचकर कार्यवाही करते हुए खुलवाया गया है।

मातृत्व वंदना योजना तहत की गई शिकायत का शिकायतकर्ता के घर पहुंचकर कराया निराकरण

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के प्रभावी निराकरण की दिशा में निरंतर किया जा रहे कार्य

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

विदिशा । कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में सीएम हेल्पलाईन तहत दर्ज एक-एक शिकायत के प्रभावी निराकरण की दिशा में लगातार कार्य किये जा रहे हैं। 50 दिवस से अधिक एवं ग्रेडिंग माह की शिकायतों का लक्ष्य टीएल बैठक के दौरान सभी विभागों को दिया गया है। जिसके अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी द्वारा शिकायतकर्ता के घर जाकर उन्हें समझाईश देकर शिकायतों को संतुष्टि पूर्वक बंद कराया गया है। शिकायत कर्ता श्रीमती आरती चैरसिया के द्वारा सीएम हेल्पलाईन पर प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत राशि नहीं मिलने की शिकायत की गई थी। कार्यकर्ता को लेकर पहुंचे और उन्हें मोबाईल पर लॉगिन कर पोर्टल पर उनके खाते में 3000 रुपये की राशि प्रदाय की स्थिति बताई गई तथा 2000 रुपये की राशि पेमेंट इन प्रोसेस लिखा दिखाया गया एवं पोर्टल की स्थिति समझाई गई जिसके फलस्वरूप शिकायतकर्ता द्वारा संतुष्टि से शिकायत वापिस ली गई है।

शहर को स्वच्छ, सुंदर व नशामुक्त बनाने ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की अगुवाई में हुई मैराथन दौड़

इसमें शहर के नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, दौड़ का समापन बहोड़ापुर पर हुआ

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

ग्वालियर शहर को स्वच्छ, सुन्दर, हरा-भरा, प्रदूषण मुक्त व नशा मुक्त बनाने के लिए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की अगुआई में रविवार को उपनगर ग्वालियर में द्वितीय मिनी मैराथन दौड़ हुई। इसमें शहर के नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रविवार की सुबह ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की अगुवाई में यह मैराथन दौड़ सागरताल से शुरू हुई और उपनगर ग्वालियर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बहोड़ापुर पहुँची और यहीं पर दौड़ का समापन हुआ। इस दौड़ में स्कूली छात्र-छात्राओं के अलावा शहर के युवाओं, जनप्रतिनिधिगणों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं शासकीय सेवकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिये यह मैराथन दौड़ आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि शहरवासी मिलजुलकर ग्वालियर को स्वच्छ, हरा-भरा, प्रदूषण मुक्त और नशा मुक्त बनाने का संकल्प लें। इसी उद्देश्य से आज सागर ताल चौराहे से बहोड़ापुर तक आयोजित मिनी मैराथन के जरिए यह संदेश दिया कि जब हम सब एकजुट होते हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने इस मैराथन में समाज के हर वर्ग के नागरिक, व्यवसायी और सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों की सहभागिता के लिये धन्यवाद जताया। साथ ही संकल्प दिलाया कि हम एक साथ मिलकर अपने ग्वालियर को एक आदर्श शहर बनाएं, जहां साफ-सफाई, हरियाली और नशामुक्त वातावरण हो।

सीएम फडणवीस ने शिंदे के फैसले पर लगाई रोक, सफाई ठेके को रद्द किया

संजय राउत ने ली चुटकी, भ्रष्टाचार रोकने सीएम के फैसले का किया स्वागत

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सीएम देवेंद्र फडणवीस के रिश्तों में सबकुछ खटास नजर आ रही है या फिर दोनों के बीच सबकुछ ठीक होने का दिखावा किया जा रहा है? यह सवाल इसलिए उठ रहे हैं कि सीएम फडणवीस ने शिंदे के कार्यकाल में हुए एक और फैसले पर रोक लगा दी है। जब एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के सीएम थे, तब तानाजी सावंत के पास स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उस समय अधिकारियों के तबादले, एम्बुलेंस की खरीद में अनियमितता के आरोप लगे थे।

साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों की सफाई का काम ठेके पर दिया था। इसके लिए हरसाल 638 करोड़ रुपए के हिसाब से तीन साल के लिए 3,190 करोड़ रुपए का ठेका पुणे की एक निजी कंपनी को दिया था, लेकिन अब इस ठेके को फडणवीस ने रद्द कर दिया है। इस फैसले को लेकर सीएम देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच चल रहे गुप्त संघर्ष का संदेह विपक्ष जता रहा है, लेकिन शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने कहा इस फैसले के पीछे कोई पार्टीगत कारण नहीं है। सिर्फ स्वास्थ्य विभाग ही नहीं, बल्कि हर सरकारी विभाग को नियमों के मुताबिक काम करना चाहिए। हम जनता के प्रति उत्तरदायी हैं। इस बीच शिवसेना (उद्धव गुट) पार्टी के नेता संजय राउत ने भी इस फैसला का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे के कार्यकाल में जो काम हुए, उनमें केवल भ्रष्टाचार ही हुआ था। शिंदे के समय स्वास्थ्य मंत्री कौन थे, यह सभी को पता है। बीजेपी ने भ्रष्ट मंत्रियों का विरोध किया था।

मायावती ने लिए सख्त फैसले, भतीजे आकाश आनंद से छीने सभी पद

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद की नेशनल कोऑर्डिनेटर समेत सारे पदों से हटा दिया है। इसके अलावा उन्होंने घोषणा की कि उनके जीते जी कोई पार्टी का उत्तराधिकारी नहीं बनेगा। मायावती ने रविवार को लखनऊ में यूपी सहित आल इंडिया के सभी छोटे-बड़े पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में कई अहम फैसले लिए। उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को सभी पद से हटा दिया है। अब आनंद कुमार और रामजी गौतम को पार्टी का नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया गया है। साथ ही दोनों के कार्यों का बंटवारा कर दिया गया है। मायावती ने कहा कि कांशीराम के पदचिन्हों पर चलकर ही अशोक सिद्धार्थ को, जो आकाश आनंद के ससुर भी हैं, अब पार्टी मूवमेंट के हित में पार्टी से बाहर कर दिया है। जिन्होंने उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में पार्टी को गुटों में बांटकर इसे कमजोर करने का काम किया है। मायावती ने कहा कि ऐसे में पार्टी के हित में आकाश आनंद को पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से अलग कर दिया गया है, जिसके लिए पार्टी नहीं बल्कि पूर्ण रूप से इनके ससुर अशोक सिद्धार्थ ही जिम्मेदार हैं।

श्री माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए खुशखबरी, 7 मार्च से चलेगी वंदे भारत

यह ट्रेन नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ दिनों के लिए बंद कर दी गई थी

जम्मू (एजेंसी)।

दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन, जो जम्मू रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण कार्यों के चलते अस्थायी रूप से बंद थी, अब 7 मार्च से फिर से शुरू होने जा रही है। यह सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन जम्मू रेलवे स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ दिनों के लिए बंद कर दी गई थी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, 6 मार्च तक यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद 7 मार्च से वंदे भारत एक्सप्रेस फिर से अपनी सेवाएं बहाल करेगी।

रेलवे ने दी यात्रियों को सलाह : रेलवे प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इस सूचना का ध्यान रखना चाहिए। यदि किसी यात्री को अधिक जानकारी चाहिए या अन्य ट्रेनों के शेड्यूल के बारे में जानना हो, तो वे रेलवे स्टेशन या रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं।

अब यात्रा होगी आसान : वंदे भारत एक्सप्रेस के फिर से शुरू होने से माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे दिल्ली और कटरा के बीच यात्रा पहले की तरह तेज और सुविधाजनक हो जाएगी।

नए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश जल्द लेंगे ऑल इंडिया सीईओ की बैठक

वोटर लिस्ट अपडेट और सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए मांगेंगे सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केरल कैडर के 1988 बैच के रिटायर्ड आईएएस ज्ञानेश कुमार के 26वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालने के बाद 4 और 5 मार्च को दिल्ली में ऑल इंडिया सीईओ की बैठक बुलाई है। सीईसी का पद संभालने के बाद ज्ञानेश कुमार की यह देश के तमाम सीईओ के साथ पहली बैठक होगी, जिसमें मतदाता सूची अपडेट करने से लेकर चुनाव कराने के बीच जो भी दिक्कतें आती हैं या इस सिस्टम को और कैसे बेहतर किया जा सके। इसके लिए सुझाव भी मांगे जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों का कहना है कि यह बैठक इसलिए अहम है क्योंकि इस बैठक में पहली बार देश के तमाम राज्यों के सीईओ यानी चीफ इलेक्ट्रॉल ऑफिसर ही नहीं बुलाए गए हैं बल्कि मतदाता सूची को तैयार करने में अहम योगदान देने वाले इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) और डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसरों (डीईओ) को भी बुलाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस बैठक में मतदाता सूची तैयार करने में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान के बारे में भी पैन इंडिया स्तर पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा ताकि इसमें और पारदर्शिता लाई जा सके। खासतौर से मतदाता सूची में वोटरों के नाम जोड़ने और काटने को लेकर जिस तरह से महाराष्ट्र और दिल्ली में हुए विधानसभा चुनावों में चुनाव आयोग भारी विवादों में रहा था। आयोग चाहता है कि भविष्य में इस तरह की कोई समस्या सामने ना आए। इसलिए मतदाता सूची अपडेट करते वक्त कई राजनीतिक पार्टियों और आम लोगों को इसके लिए मैक्सिमम स्तर पर संतुष्ट करने का भी प्लान तैयार किया जाएगा, जिसमें मतदाता सूची से अगर किसी वोटर का जोड़ना है या काटना है तो उस वोटर को इस बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए कि उसका नाम वोटर लिस्ट से काट दिया गया है, फिर वह किसी भी आधार पर काटा गया हो।

ट्रंप से पंगा जेलेंस्की को पड़ेगा महंगा, अमेरिका मदद देना कर सकता है बंद!

कीव (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच विवाद हो गया है। कैमरे के सामने दोनों में खूब बहस हुई, जिसने काफी खराब रुख अख्तियार कर लिया। यहां तक कि ट्रंप ने जेलेंस्की को वहां से जाने तक का कह दिया। अब इस विवाद से यूक्रेन और अमेरिका के रिश्ते पर भी असर पड़ेगा। ये विवाद ऐसे समय हुआ है, जब यूक्रेन को रूस से युद्ध में अमेरिकी मदद की जरूरत है। ऐसा माना जा रहा है कि अमेरिका अब यूक्रेन को मदद कम कर सकता है और जेलेंस्की का यूक्रेन को नाटों में शामिल करने का सपना भी टूट सकता है। यूक्रेन को जेलेंस्की का ट्रंप से उलझना काफी महंगा पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जेलेंस्की अमेरिका के साथ एक खनिज सौदे पर बातचीत करने और युद्ध में समर्थन देने के लिए वॉशिंगटन आए थे। जेलेंस्की का कहना है कि ओवल ऑफिस में ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ बातचीत दो ऐतिहासिक रूप से सहयोगी राष्ट्रों के नेताओं के बीच तीखी बहस में बदल गई, जिसका उन्हें अफसोस है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारा जा सकता है। यूक्रेन के लिए फिलहाल बड़ा मुद्दा अमेरिका के साथ अपने संबंधों को बचाना है।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी कई बार कर चुके हैं सीजफायर का उल्लंघन

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बारे में जो ये बात कही

कीव (एजेंसी)।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस और उसके राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बारे में जो ये बात कही है उसमें काफी हद तक सच्चाई भी दिखती है। 1990 के दशक में शीत युद्ध खत्म होने और सोवियत संघ की जगह रूस के निर्माण के बाद से कई ऐसे मौके आए हैं जब यह स्पष्ट हुआ है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी दूध के धुले नहीं हैं। रूस यूक्रेन जंग के तीन साल हो चुके हैं। दुनिया भर में इस युद्ध को समाप्त कराने के तरीके पर चर्चा हो रही है। कुछ जानकारों का तर्क है कि यूक्रेन यह युद्ध जीत नहीं सकता। कुछ का कहना है कि यूक्रेन को दी जा रही अमेरिकी और पश्चिमी देशों की सहायता बहुत महंगी है। युद्ध विराम ही नहीं कई अन्य अंतरराष्ट्रीय समझौतों को रूस ठेंगा दिखा चुका है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2, धारा 4 में कहा गया है कि सभी सदस्य देश अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों में किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल प्रयोग या धमकी से बचेंगे। रूस ने इसका बार-बार उल्लंघन किया है। 2008 में जॉर्जिया पर आक्रमण किया। फिर 2014 और 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण किया। युद्धविराम तोड़ने और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के चार्टर का उल्लंघन करने के अलावा रूस ने कई अंतरराष्ट्रीय संधियों का भी उल्लंघन किया है। उदाहरण के लिए रूसी ने 2023 में न्यू स्टार्ट संधि का उल्लंघन किया था, जब उसने परमाणु हथियारों के ऑन-साइट निरीक्षण की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

बिजनेस

अमेरिकी टैरिफ, वैश्विक रुख से तय होगी घरेलू शेयर बाजार की दिशा : विश्लेषक

निवेशकों की नजर शुल्क नीति और बेरोजगारी दावों सहित महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर रहेगी

मुंबई (एजेंसी)।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा अमेरिकी टैरिफ, वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। ऐसा बाजार के विश्लेषकों ने अनुमान लगाया है। विश्लेषकों ने कहा कि आने वाले दिनों में व्यापार शुल्क की चिंताओं तथा विदेशी कोषों की निकासी से निवेशकों की धारणा कमजोर हो सकती है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों की नजर शुल्क नीति और बेरोजगारी दावों सहित महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर रहेगी।

आने वाले समय में बाजार की स्थिति कमजोर रह सकती है। हालांकि, अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनियों के नतीजों में सुधार तथा वैश्विक व्यापार मोर्चे पर अनिश्चितता कम होने के बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है। वृहद आर्थिक मोर्चे पर सप्ताह के

दौरान एचएसबीसी विनिर्माता और सेवा पीएमआई आंकड़े आएंगे, जिनपर निवेशकों की निगाह रहेगी। एक फायनेंसियल कंपनी प्रमुख का मानना है कि कमजोर वैश्विक रुख और घरेलू मोर्चे पर संकेतकों की कमी की वजह से बाजार कमजोरी के रुख के साथ कारोबार करेगा। दिसंबर तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह क्रमिक आधार पर सात तिमाहियों के निचले स्तर से उबर रही है। हालांकि, दिसंबर तिमाही की वृद्धि दर इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में कम रही है। आर्थिक वृद्धि दर का यह आंकड़ा ऐसे समय आया है जबकि अमेरिका का शुल्क युद्ध चुनौती बना हुआ है।

सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत रही है। यह जुलाई-सितंबर तिमाही के 5.6 प्रतिशत के संशोधित आंकड़े से अधिक है। हालांकि, यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 6.8 प्रतिशत के अनुमान से कम है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि अनिश्चितता अक्सर वास्तविक घटनाक्रम से अधिक महत्वपूर्ण होती है, और बाजार वर्तमान में संभावित व्यापार युद्ध की चिंता से जूझ रहा है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली का दबाव लगातार बढ़ रहा है। फरवरी में कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 9.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो घरेलू खपत से बढ़ा है और संभावित आर्थिक पुनरुद्धार का संकेत है। शनिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सकल आधार पर, केंद्रीय जीएसटी से संग्रह 35,204 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी से 43,704 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी से 90,870 करोड़ रुपये और मुआवजा उपकर से 13,868 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 3.09 लाख करोड़ घटा

सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रही

मुंबई (एजेंसी)।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3,09,244.57 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। समीक्षाधीन सप्ताह में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार मूल्यांकन 1,09,211.97 करोड़ रुपये घटकर 12,60,505.51 करोड़ रुपये रह गया। इससे शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में टीसीएस दूसरे से तीसरे स्थान पर आ गई है। एचडीएफसी बैंक सूची में दूसरे स्थान पर है। सप्ताह के दौरान इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 52,697.93 करोड़ रुपये घटकर 7,01,002.22 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 39,230.1 करोड़ रुपये घटकर 8,94,993.67 करोड़ रुपये पर आ गई, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 38,025.97 करोड़ रुपये घटकर 16,23,343.45 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का

मूल्यांकन 29,718.99 करोड़ रुपये घटकर 6,14,236.97 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,775.78 करोड़ रुपये घटकर 8,49,803.90 करोड़ रुपये रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 11,700.97 करोड़ रुपये घटकर 5,14,983.41 करोड़ रुपये रह गई। आईटीसी का मूल्यांकन 7,882.86 करोड़ रुपये घटकर 4,93,867.57 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के विपरीत एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 30,258.49 करोड़ रुपये बढ़कर 13,24,411.31 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 9,050.24 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 5,29,516.99 करोड़ रुपये रहा।

रॉयल एनफील्ड ने नेटवर्क को मजबूत किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मिडसाईज़ मोटरसाईकल सेगमेंट (250सीसी-750सीसी) में ग्लोबल लीडर, रॉयल एनफील्ड ने भिवांडी (ठाणे) में अपना नया वेयरहाउस शुरू किया है। इस नए वेयरहाउस से पश्चिमी और मध्य भारत में ओरिज़नल पार्ट्स की उपलब्धता बढ़ेगी और ज्यादा तेज सर्विस मिल सकेगी।

यह वेयरहाउस महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित होने के कारण महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और गोवा में रॉयल एनफील्ड के ग्राहकों तक स्पेयर पार्ट्स, ऑयल एवं ल्यूब्स पहुँचाने में कम समय लगेगा। यह नया वेयरहाउस 50,000 वर्गफीट क्षेत्र में फैला है, जिसमें 3,500 से अधिक एसकेयू का स्टॉक होगा। यह स्टॉक 310 से अधिक चैनल पार्टनरों की मदद से रॉयल एनफील्ड के लिए आवश्यक सामान एवं ओरिज़नल पार्ट्स की मांग को ज्यादा प्रभावशाली तरीके से पूरा कर सकेगा। भिवांडी, ठाणे में स्थित यह नया वेयरहाउस मुंबई एयरपोर्ट से लगभग 45 किलोमीटर दूर है, इसलिए इसके द्वारा क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स ज्यादा व्यवस्थित होकर रॉयल एनफील्ड के नेटवर्क में आफ्टरसेल्स सर्विस का टर्न अराउंड टाईम कम हो जाएगा। इस नए पार्ट्स वेयरहाउस के बारे में यादविंदर सिंह गुलेरिया, चीफ कमर्शियल ऑफिसर, रॉयल एनफील्ड ने कहा कि रॉयल एनफील्ड में हम अपने ग्राहकों को सुगम स्वामित्व का अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भिवांडी में हमारा नया वेयरहाउस पश्चिमी और मध्य भारत में सर्विस की एफिशियंसी बढ़ाने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत में यात्री वाहनों की बिक्री में बढोत्तरी होने का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री में 2025-26 में 4-7 फीसदी की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर में कोरोना महामारी के बाद रिकवरी देखी जा रही है। आईसीआरए की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, दोपहिया वाहनों की बिक्री में भी तेजी देखने को मिलेगी, ग्रामीण इलाकों में बढ़ती मांग के चलते 2025 में 11-14 फीसदी और 2026 में 6-9 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान है। रिपोर्ट में वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) की बिक्री में भी 2026 में बढ़ोतरी का अनुमान जताया गया है। आईसीआरए की रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2024 में पैसेंजर वाहनों की बिक्री 4.2 मिलियन यूनिट के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। 2025 में थोक बिक्री स्थिर रही, जिसका कारण ऑटोमोबाइल निर्माताओं का स्थिर उत्पादन था। इसके बावजूद, उद्योग की बिक्री में लगभग 2 फीसदी की मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस साल पैसेंजर वाहनों की बिक्री बेहतर होने की संभावनाओं के पीछे बेहतर आर्थिक गतिविधियों, इन्फ्रास्ट्रक्चर पर सरकारी खर्च, माल की अच्छी उपलब्धता, स्क्रैपेज पॉलिसी और पर्यावरण के अनुकूल वाहनों की ओर बढ़ता रुझान जैसे कारण बताए गए हैं।

गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स और कमल ऑटो फाइनेंस ने की साझेदारी, अब इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना हुआ और आसान

साझेदारी का उद्देश्य पहले चरण में राजस्थान, मप्र और उप्र में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के एक प्रमुख नाम गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने कमल ऑटो फाइनेंस लिमिटेड के साथ एक अहम साझेदारी की है। जिसका उद्देश्य पहले चरण में राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना है। आने वाले समय में इस पहल को और भी राज्यों तक फैलाने की योजना है। इस साझेदारी के तहत, कमल ऑटो फाइनेंस लिमिटेड, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के लो-स्पीड और हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर (एल3 और एल5 कैटेगरी) के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसका मकसद इलेक्ट्रिक वाहनों को खरीदने को और आसान और किफायती बनाना है, जिससे देश में सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन को बढ़ावा मिल सके। गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के निदेशक और सीईओ, श्री हैदर खान ने इस साझेदारी को लेकर कहा कि हम कमल ऑटो फाइनेंस लिमिटेड के साथ साझेदारी करके बेहद उत्साहित हैं। यह कंपनी ऑटोमोबाइल फाइनेंसिंग में अग्रणी है और यह सहयोग हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे हमारी उपस्थिति ईवी बाजार में और मजबूत होगी, साथ ही यह नवाचार और पर्यावरण के अनुकूल मोबिलिटी सॉल्यूशंस देने की हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। इस साझेदारी के जरिये, हमारा लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहनों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है, जिससे हमारे शहर स्वच्छ और हरित भविष्य की ओर बढ़ सकें। कमल ऑटो फाइनेंस लिमिटेड के संस्थापक और निदेशक, श्री श्रेयांश ने भी इस करार को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स भारत के तेजी से बढ़ते ईवी बाजार में एक प्रमुख नाम है और इस अहम पहल में उनके साथ साझेदारी करके हमें खुशी हो रही है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

स्टार्टअप्स को मिलेगा नया बल

नईदिल्ली (एजेंसी)। सभी के लिए आराम को सुलभ बनाने के उद्देश्य से, दिल्ली स्थित स्टार्टअप ट्रैजेक्टरी एर्गोनॉमिक कम्फर्ट प्रोडक्ट्स की दुनिया में नया बदलाव ला रहा है। इसे राघव महाजन और हिमांशु वर्मा ने शुरू किया था, जो पहले प्रोडक्ट डेवलपर रह चुके हैं। ट्रैजेक्टरी ने अपनी यात्रा एक साधारण स्लीपिंग बैग से शुरू की थी, और आज यह कंफर्ट सॉल्यूशंस का एक भरोसेमंद नाम बन चुका है। 'शार्क टैंक इंडिया 4' में ट्रैजेक्टरी की जोरदार एंट्री शो में आते ही ट्रैजेक्टरी के संस्थापकों ने 1 करोड़ रुपये की मांग रखी, जिसके बदले वे 2प्रतिशत इक्विटी देने को तैयार थे। इस प्रस्ताव ने शार्क्स की दिलचस्पी बढ़ा दी। अनुपम मित्तल ने सवाल किया कि जब बाजार में ऐसे कई प्रोडक्ट्स पहले से मौजूद हैं, तो उन्हें शार्क टैंक में आने की जरूरत क्यों पड़ी? वहीं, नमिता थापर ने ब्रांड के यूनिक वैल्यू प्रपोजिशन को लेकर अपनी जिज्ञासा जाहिर की। इस पर राघव और हिमांशु ने समझाया कि ट्रैजेक्टरी सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि एक इनोवेटिव ब्रांड है जो ग्राहकों की जरूरतों के हिसाब से आरामदायक समाधान देता है।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अग्रणी भारतीय कारोबारी समूह और मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की पैरेंट कंपनी मलाबार ग्रुप ने भोपाल की छात्राओं को अकादमिक वर्ष 2024-25 के लिए स्कॉलरशिप प्रदान किए। सीएम राइज कमला नेहरू पब्लिक स्कूल में शैक्षणिक छात्रवृति (स्कॉलरशिप) वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह शिक्षा के जरिए महिलाओं को सशक्त बनाने के समूह के प्रयासों के क्रम में एक महत्वपूर्ण क्षण था। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के साथ-साथ स्थानीय ब्रांच के प्रमुख सहित मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की लीडरशिप टीम, शुभेच्छु, ग्राहक और स्कॉलरशिप प्राप्त करने वाली छात्राएं मौजूद रहीं। इस पहल के बारे में मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद ने कहा कि शिक्षा वह नींव होती है जिससे भविष्य में बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। युवा छात्राओं की शिक्षा में निवेश के जरिए हम ना सिर्फ उनकी क्षमताओं को उजागर कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां अवसर, समानता और प्रगति तक हर किसी की पहुंच हो।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने पीएमआई पर्ल सिटी चैप्टर की मेजबानी की

हैदराबाद (एजेंसी)। महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने अपने परिसर में पीएमआई पर्ल सिटी चैप्टर (पीएमआईपीसीसी) के साथ मिलकर इंटरनेशनल स्टूडेंट लीडरशिप डे (आईएसएलडी) की मेजबानी की। इस आयोजन में नेतृत्व, प्रोजेक्ट मैनजमेंट और नवप्रवर्तन की संभावना तलाशने के लिए 134 से अधिक विद्यार्थी, शिक्षक और उद्योग पेशेवर शामिल हुए। सम्मेलन में डाक्टर बिष्णु पाल, डीन एकैडमिक्स, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, महिन्द्रा युनिवर्सिटी, डाक्टर प्रदीप रछेरला, असिस्टेंट डीन, प्रोफेसर (मार्केटिंग), स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, महिन्द्रा युनिवर्सिटी, डाक्टर पेंड्याल किरणमई दत्त, बोर्ड सदस्य, यूनाइटेड वे, हैदराबाद और मनोहर येरागुंटला, अध्यक्ष पीएमआईपीसीसी और अमार राजा ग्रुप के पीएमओ समेत प्रतिष्ठित वक्ताओं ने व्याख्यान और प्रस्तुतियां दीं। साथ ही इन्होंने नेतृत्व की विशेषताएं, मानव-एआई गठबंधन और टिकाऊपन की चुनौतियां जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विद्यार्थियों से बातचीत की।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

ऑस्ट्रेलियाई ने सेमीफाइनल की तैयारियां शुरू की

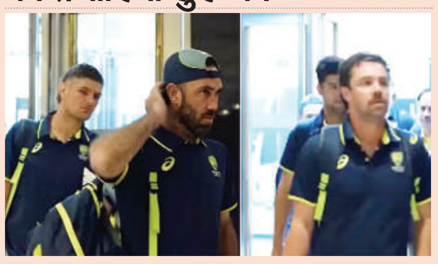

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने सेमीफाइनल मुकाबले के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल के लिए लाइन अप तय होने से पहले रविवार को दुबई के आईसीसी अकादमी में तीन घंटे का अभ्यास किया। भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले से सेमीफाइनल का कार्यक्रम तय हो जाएगा। ग्रुप ए में शीर्ष पर रहने वाली टीम का सामना अंतिम चार में ऑस्ट्रेलिया से होगा। ऑस्ट्रेलिया टीम फिलहाल दुबई में है। उसने रविवार को लंबा अभ्यास किया जिसमें उसके बल्लेबाजों का ध्यान स्पिन खेलने पर रहा। स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों ने जहां हल्का अभ्यास किया, वहीं युवा खिलाड़ियों ने पूरी ताकत लगाई। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आईसीसी अकादमी के सात नेट गेंदबाजों को चुना जिसमें सभी स्पिनर थे। इनमें बाएं हाथ के धीमी गति के गेंदबाज हर्षित सेठ के अलावा दो बाएं हाथ के चाइनामैन गेंदबाज, इतने ही ऑफ स्पिनर और एक लेग स्पिनर शामिल था। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका के बाद दूसरे स्थान पर रहा और दोनों टीमें यूएई में मौजूद हैं क्योंकि अभी उन्हें नहीं पता कि सेमीफाइनल में उनका प्रतिद्वंद्वी कौन होगा। ऑस्ट्रेलिया अपने अंतिम चार मुकाबले में ग्रुप ए की तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीमों भारत या न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। भारत के साथ पहला सेमीफाइनल मंगलवार को दुबई में और दूसरा बुधवार को लाहौर में खेला जाएगा। रविवार को ट्रेनंग के बाद स्पिनर हर्षित सेठ ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने नेट गेंदबाजों से एक निश्चित लेंथ पर गेंदबाजी करने को कहा था जिससे उन्हें ड्राइव और फिलक करने का मौका मिले।

जीत के बाद अक्षय वाखरे फर्स्ट क्लास क्रिकेट ने लिया संन्यास

नागपुर (एजेंसी)। विदर्भ ने रणजी ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में केरल को पहली पारी की बढ़त के आधार पर हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। अक्षय वाडकर की अगुआई वाली टीम ने तीसरी बार रणजी का खिताब जीता है। उनकी इस जीत से खुश विदर्भ क्रिकेट संघ (वीसीए) ने विजेता टीम के लिए तीन करोड़ रुपये की इनामी राशि का एलान किया है। वहीं, फाइनल मैच के बाद अनुभवी गेंदबाज अक्षय वाखरे ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। विदर्भ के मुख्य कोच उस्मान गनी ने रविवार को टीम में युवा खिलाड़ियों के हरफनमौला प्रदर्शन की सराहना की। नागपुर में खेला गया फाइनल मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ, लेकिन पहली पारी में 37 रनों की बढ़त के आधार पर विदर्भ चैंपियन बना। खिताबी जीत के बाद विदर्भ के मुख्य कोच उस्मान गनी ने युवा खिलाड़ियों के हरफनमौला प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा, इस सत्र अधिक युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने और उन पर भरोसा करने का फायदा हुआ। अगर आप इस बार विदर्भ की टीम को देखें तो इसमें युवा और अनुभव अच्छा मिश्रण है। हमारी नीति टीम में युवाओं को शामिल करने की थी। ट्रॉफी जीतना हमारा मकसद था लेकिन इसके साथ ही हम चाहते हैं कि हमारे युवा देश के लिए खेलें। गनी ने पूरे सत्र में शानदार प्रदर्शन के लिए युवा हर्ष दुबे (69 विकेट), यश राठौड़ (960 रन) और दानिश मालेवार (783 रन) की प्रशंसा की। वाखरे ने 105 मैच खेलने के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। इस दाएं हाथ के स्पिनर ने अपने प्रथम श्रेणी करियर में 344 विकेट लिए।

वनडे में चौथे नंबर पर श्रेयस अय्यर का है बेहतरीन रिकॉर्ड,

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने एक बार फिर अपनी पारी से भारतीय टीम को संकट से उबारा। श्रेयस ने 98 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 79 रन बनाए जिससे भारत 50 ओवर में नौ विकेट पर 249 रन बनाने में सफल रहा। श्रेयस ने चैंपियंस ट्रॉफी में लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक लगाया। उन्होंने इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ भी पचासा जड़ा था। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया था, लेकिन भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने जल्द ही तीन विकेट गंवा दिए। इसके बाद श्रेयस और अक्षर पटेल ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 98 रनों की साझेदारी की। श्रेयस भारतीय पारी के छठे ओवर में बल्लेबाजी के लिए उतरे जब भारत ने कप्तान रोहित शर्मा का विकेट गंवाया। श्रेयस ने धीमी शुरुआत की और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों और मिचेल सैंटनर के खिलाफ संयम से खेलना जारी रखा।

वेस्टइंडीज के नहीं खेलने से निराश हैं विवियन रिचर्ड्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी विवियन रिचर्ड्स इस बात से निराश हैं कि उनकी टीम चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा नहीं ले सकी। रिचर्ड्स ने इसके साथ ही कैरेबियाई टीम को अफगानिस्तान से सीख लेने की हिदायत दी जो पहली बार आईसीसी के इस टूर्नामेंट में खेली थी। वेस्टइंडीज और श्रीलंका दो ऐसी टीमें है जो विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत चुकी है लेकिन पाकिस्तान और दुबई में खेले जा रहे आठ-टीमों की प्रतियोगिता में के मौजूदा सत्र के लिए क्वालिफाई करने में असफल रहीं। अफगानिस्तान का सफर चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप चरण में समाप्त हुआ। रिचर्ड्स ने कहा, मैं बस उम्मीद कर रहा हूं कि मेरी वेस्टइंडीज टीम अफगानिस्तान की किताब से सीख ले सकती है, क्योंकि अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने खेल में जुनून और ऊर्जा भर दी है। अफगानिस्तान क्रिकेट की दुनिया में इतने लंबे समय से नहीं हैं जितना शायद कुछ अन्य टीमें है लेकिन उनमें संघर्ष करने का जज्बा कमाल का है। जब आप चैंपियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान को देखते हैं और वेस्टइंडीज को नहीं, तो इसका मतलब है कि अफगानिस्तान कुछ सही कर रहा है। रिचर्ड्स ने कहा कि वेस्टइंडीज को सुधार के लिए सिर्फ खिलाड़ियों ही नहीं, बल्कि इसमें शामिल सभी लोगों के प्रयासों की जरूरत होगी।

भारत ने न्यूजीलैंड को 44 रनों से हराया, वरुण चमके, सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से सामना

भारतीयों स्पिनरों ने किया शानदार प्रदर्शन, भारत ग्रुप ए में सभी मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचा

दुबई (एजेंसी)।

स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के दमदार प्रदर्शन से भारत ने ग्रुप ए के अंतिम मुकाबले में न्यूजीलैंड को 44 रनों से हराया। भारत का ग्रुप चरण में अजेय अभियान जारी रहा और टीम ने तीनों मैच जीतकर ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए इस चरण का अंत किया। भारत का सामना अब सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से चार मार्च को दुबई में होगा। ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर रही थी। वहीं, एक अन्य सेमीफाइनल में पांच मार्च को न्यूजीलैंड की भिड़ंत दक्षिण अफ्रीका से लाहौर में होगी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रेयस अय्यर की अर्धशतकीय पारी के दम पर 50 ओवर में नौ विकेट पर 249 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करते हुए केन विलियमसन ने 81 रन बनाए, लेकिन न्यूजीलैंड की टीम 45.3 ओवर में 205 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत के लिए वरुण ने शानदार प्रदर्शन किया और 10 ओवर में 42 रन देकर पांच विकेट झटके। वरुण का चैंपियंस ट्रॉफी में यह पहला ही मैच था और वह चमक बिखेरने में सफल रहे। न्यूजीलैंड एक समय अच्छी स्थिति में था, लेकिन वरुण ने दमदार प्रदर्शन कर भारत के पक्ष में रुख पलट दिया। भारत की ओर से वरुण के अलावा कुलदीप यादव ने दो विकेट लिए, जबकि हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला। दिलचस्प बात यह है कि भारत इस मुकाबले में चार स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरा था। भारतीय टीम को चार स्पिनर उतारने का फायदा मिला क्योंकि न्यूजीलैंड के नौ विकेट स्पिनरों ने ही झटके। भारत की ओर से मोहम्मद शमी एकमात्र गेंदबाज रहे जो खाली हाथ रहे। उन्होंने हालांकि, इस मैच में सिर्फ चार ओवर गेंदबाजी की। न्यूजीलैंड की ओर से विलियमसन के अलावा कोई बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका। कीवी टीम के लिए कप्तान मिचेल सैंटनर ने 28 रन, टॉम लाथम ने 14, डेरिल मिचेल ने 17, विल यंग ने 22, रचिन रवींद्र ने 6, ग्लेन फिलिप्स ने 12 और मैट हेनरी ने दो रन बनाए। काइल जैमिसन नौ रन बनाकर नाबाद लौटे।

पाक टीम से छह-सात खिलाड़ियों को बाहर कर देंगे तो किसे लाएंगे

शाहिद अफरीदी ने वसीम अकरम को चैलेंज किया

दुबई (एजेंसी)।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पाकिस्तान के बाहर होने से उनके प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटर्स नाराज हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और महान गेंदबाज वसीम अकरम ने मोहम्मद रिजवान की टीम पर निशाना साधते हुए टीम में बदलने करने की सलाह दी थी। हालांकि, उनकी यह सलाह पाकिस्तान के एक और पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी को पसंद नहीं आई। अब अफरीदी ने अकरम के बयान पर प्रतिक्रिया दी है।

अकरम ने कहा था कि पाकिस्तान को खराब प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बाहर करने और अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप की तैयारी के लिए युवाओं को लाने की जरूरत है। अकरम ने कहा, बहुत हो गया। कठोर कदम उठाने की जरूरत है। हम लंबे समय से सफेद गेंद में पुराने स्टाइल में क्रिकेट खेल रहे हैं। इसे बदलने की जरूरत है। निडर होकर क्रिकेट खेलने की जरूरत है। युवा खिलाड़ियों को टीम में लाइए। अगर आपको छह-सात बदलाव करने हैं तो कृपया ऐसा करें। आप नए खिलाड़ियों के साथ अगले छह महीने तक मैच हारते रहें। अनुभवी खिलाड़ियों के होने पर हारने से ऐसा करना ठीक है, लेकिन अभी से टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीम तैयार करना शुरू कर दीजिए। अब लाइव टीवी पर अफरीदी ने कहा कि भारत के खिलाफ हार के बाद भावनाओं में बह जाना सामान्य बात है। हालांकि, उन्होंने पाकिस्तान के कुछ सितारों को टीम से बाहर करने की अकरम की टिप्पणी की आलोचना की। अफरीदी ने कहा, मैं उस दिन वसीम भाई को सुन रहा था। हां, हम सभी भारत के खिलाफ हार के बाद भावनाओं में बह गए। उन्होंने कहा कि छह-सात खिलाड़ियों को टीम से बाहर करने की जरूरत है। वसीम भाई, मेरा आपसे सिर्फ एक सवाल है।

कोहली ने चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया

विराट 300वें एकदिवसीय खेलने वाले सातवें भारतीय क्रिकेटर बने

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया। विराट 300 एकदिवसीय खेलने वाले सातने भारतीय क्रिकेटर बने हैं। विराट इस मैच में उतरते ही महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, राहुल द्रविड़, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सौरव गांगुली और युवराज सिंह के 300 एकदिवसीय खेलने के क्लब में शामिल हो हो गये। विराट कोहली ने 300 एकदिवसीय की 288 पारियों में 14085 रन बनाये हैं। वह इस प्रारुप में सबसे ज्यादा 51 शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। वहीं उन्होंने 73 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका औसत 58.2 का का है। विराट हालांकि अपने 300 वें मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये और केवल 11 रन बनाकर आउट हो गये। एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन 18426 बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। इसके बाद श्रीलंका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगाकारा ने 404 मैच खेलते हुए 25 शतक के जरिए 14234 रन बनाए थे। वहीं विराट कोहली 14085 रनों के साथ नंबर तीन पर हैं।

केरल को हराकर विदर्भ ने जीता रणजी ट्रॉफी खिताब पहली पारी के बढ़त के आधार पर बना विजेता

केरल और विदर्भ के बीच नागपुर में खेले गया यह मुकाबला पांचवें और अंतिम दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ

नागपुर (एजेंसी)।

विदर्भ ने फाइनल में केरल को हराकर रणजी ट्रॉफी खिताब जीत लिया है। केरल और विदर्भ के बीच नागपुर में खेले गया यह मुकाबला पांचवें और अंतिम दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ, लेकिन विदर्भ ने केरल को पहली पारी के बढ़त के आधार पर मात दी और इस घरेलू टूर्नामेंट का चैंपियन बनने में सफल रहा। विदर्भ का यह तीसरा रणजी ट्रॉफी खिताब है। विदर्भ ने इससे पहले 2017-18 और 2018-19 में खिताब जीता था। यह पिछले साल वर्षों में विदर्भ का तीसरा खिताब है। विदर्भ ने पहली पारी में दानिश मालेवार के 153 रन और करुण नायर के 86 रनों की मदद से 379 रन बनाए थे, लेकिन केरल की टीम ने पहली पारी में कप्तान सचिन बेबी के 98 रनों की पारी के बावजूद 342 रन बनाए। इस तरह विदर्भ ने पहली पारी में 37 रनों की बढ़त हासिल की। विदर्भ के लिए दूसरी पारी में करुण नायर ने शतक लगाया और 135 रनों की पारी खेली। वहीं, दर्शन नालखंडे ने नाबाद 51 रन बनाए। दिन का खेल खत्म होने तक विदर्भ ने दूसरी पारी में नौ विकेट पर 375 रन बनाए।

योगराज ने युवकों की मदद नहीं करने पर की पाकिस्तानी पूर्व दिग्गजों की आलोचना

पाकिस्तानी एक्सपर्ट्स में जुनून नहीं वह पैसे के लिए देश का दुरुपयोग करते हैं

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

भारत के पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने देश के युवा वर्ग को मदद नहीं करने के लिए पाकिस्तान के दिग्गजों की आलोचना की और कहा है कि वे केवल पैसा कमाने के उद्देश्य से अपने ही देश का दुरुपयोग करते हैं। पाकिस्तान ने चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप स्टेज का अपना आखिरी मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेलना था, लेकिन यह बारिश की भेंट चढ़ गया। इसके साथ पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गया।

उन्हें केवल एक ही अंक मिला। पाकिस्तान में 29 सालों में पहला आईसीसी टूर्नामेंट हो रहा था लेकिन उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा। योगराज ने कहा कि पाकिस्तान के साथ समस्या यह है कि उनके पास वसीम अकरम, शोएब अख्तर, वकार यूनिस या इंजमाम-उल-हक जैसे महान सेवानिवृत्त खिलाड़ी हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं लेकिन जो गलत है वह गलत है। भारत और पाकिस्तान के बीच अंतर यह है कि राहुल द्रविड़, लक्ष्मण और युवराज सिंह जैसे खिलाड़ियों ने भविष्य के भारतीय खिलाड़ियों को विकसित करने में मदद की है। मैं अपने देश से प्यार करता हूं, यही वजह है कि मैं अपने बेटे की बलि देने के लिए तैयार था, जिसे कैंसर था, लेकिन पाकिस्तानी एक्सपर्ट्स में वह जुनून नहीं है। वे अपनी तुलना भारत से करते हैं लेकिन अपने देश से इतना प्यार नहीं करते कि कहें कि हमने काफी पैसा कमा लिया है और युवा पीढ़ी को प्रशिक्षित करना शुरू कर दें। इमरान खान ने इन सभी खिलाड़ियों के लिए मंच तैयार किया था लेकिन उन्हें जेल भेज दिया गया। वे उस तरह के लोग हैं जो पैसों के लिए अपने देश को गालियां देते हैं। योगराज ने पाकिस्तान टीम को कोचिंग देने की भी बात कही। 75 साल पहले हम साथ हुआ करते थे, बिछड़ गए लेकिन प्यार नहीं मिटता।

चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले में ग्लेन फिलिप्स ने एक बार फिर फील्डिंग में कमाल दिखाया

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हैरान करने वाले 3 कैच फिलिप्स ने दो बार चौंकाया, कैरी बने सुपरमैन

दुबई (एजेंसी)।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले में ग्लेन फिलिप्स ने एक बार फिर फील्डिंग में कमाल दिखाया। उनकी इस हैरतअंगेज फील्डिंग का शिकार इस बार विराट कोहली बने। कोहली के हवा में खेले गए एक तेज शॉट को 23 मीटर दूर बैकवर्ड पॉइंट पर खड़े फिलिप्स ने एक हाथ से लपक लिया। वह कैच लेते वक्त हवा में थे और उन्होंने शानदार डाइव लगाया।

फिलिप्स ने इसके बाद कोहली को देखते हुए ऐसा लुक दिया- मानो कह रहे हों कि यह उनके लिए आम बात है। कोहली समेत स्टेडियम में मौजूद तमाम फैंस फिलिप्स के कैच पर हैरान रह गए और यकीन नहीं कर पाए। यह इस चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार नहीं है जब फिलिप्स ने ऐसा हैरान करने वाला कैच पकड़ा हो। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप मैच में भी उन्होंने इसी तरह का हवा में कैच पकड़ा था। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स कैरी भी सुपरमैन बन हवा में कैच लपक चुके हैं। फिलिप्स को मौजूदा समय का सबसे बेहतरीन फील्डर माना जाता है। वह न सिर्फ एक बेहतरीन फील्डर हैं, बल्कि अच्छे ऑफ स्पिनर और विकेटकीपर भी हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के ओपनिंग मैच में न्यूजीलैंड के सामने पाकिस्तान की चुनौती थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए कीवियों ने 50 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 320 रन बनाए थे। लाथम ने 118 रन की पारी खेली थी। वहीं, फिलिप्स ने 39 गेंद में ताबड़तोड़ 61 रन बनाए थे। हालांकि, फिलिप्स थके नहीं थे और उन्होंने फील्डिंग में गजब की फूर्ति दिखाई। पाकिस्तान की पारी के 10वें ओवर में विलियम ओरुर्के की गेंद पर रिजवान ने बिल्कुल कोहली जैसा शॉट खेला और बैकवर्ड पॉइंट पर खड़े फिलिप्स ने बाईं तरफ डाइव लगाते हुए एक हाथ से उनका कैच लपका था। रिजवान तीन रन बना सके थे।

जोस बटलर के बाद कौन होगा इंग्लैंड का कप्तान? टीम में हैं तीन मजबूत दावेदार

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होने के बाद बटलर ने टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होने के बाद टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। मैच के बाद उन्होंने कहा था कि वे इस बारे में सोचेंगे, लेकिन अगले ही दिन उन्होंने वनडे टीम की कप्तानी से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। वे चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के टीम के आखिरी लीग मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ कप्तानी करते नजर आएंगे, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड की व्हाइट बॉल टीम का कप्तान कौन होगा? इंग्लैंड की टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक ने कुछ महीने पहले की थी। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज में कप्तान रह चुके हैं और वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को उनकी टीम ने 3-2 से हराया था। मौजूदा समय में इंग्लैंड के बाहर उनसे रन नहीं बन रहे हैं। इसके बावजूद उनकी दावेदारी कप्तानी के लिए मजबूत लग रही है। इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट की लोकप्रियता भी कम नहीं है। इंग्लैंड की टीम को कई बार बेन डकेट ने संघर्षों से बाहर निकाला है। उन्होंने मध्य क्रम में भी कुछ अच्छी पारियां खेली हैं। वह तीनों फॉर्मेट में खेलते हैं और एक सीनियर प्लेयर हैं। उनके साथ समस्या है कि जब भी वह बोलते हैं तो इंग्लैंड के प्रशंसकों को परेशान कर देते हैं। उन्होंने हाल ही में बयान दिया था कि भारत के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने से अच्छा है कि चैंपियंस ट्रॉफी जीते, लेकिन ऐसा नहीं कर पर पाए। इसमें कुछ बुरा नहीं है। अगर इंग्लैंड की भारत से पहले की सीरीज देखें तो वहां लियाम लिविंगस्टोन ने प्रभावित किया था और एक शतक जड़ा था। वे मैच्योर प्लेयर हैं और सीधे साफ बोलने के लिए मशहूर हैं।

हमारे खिलाफ 10-10 टेस्ट-वनडे और टी20 खेलें, पता चल जाएगा

पाकिस्तानी स्पिनर सकलैन मुश्ताक ने का भारत को चैलेंज

दुबई (एजेंसी)।

भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान के खिलाफ अपना दम दिखाया। चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले में टीम इंडिया ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी को छह विकेट से शिकस्त दी थी। इस हार से मेजबान पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी से ही बाहर हो गया। भारत से हार के बाद पाकिस्तान के फैंस के साथ-साथ पूर्व क्रिकेटरों ने भी टीम की आलोचना की थी। कुछ क्रिकेटरों का मानना है कि भारत पाकिस्तान मुकाबला पहले की तरह नहीं रहा और भारतीय टीम अब एकतरफा अंदाज में मैच जीतती है। आंकड़े भी इसके गवाह हैं कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ अपने पिछले चार वनडे मैचों को बड़े अंतर से जीता है। हालांकि, पाकिस्तान के महान स्पिनर सकलैन मुश्ताक अभी भी इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। सकलेन ने पाकिस्तान के 24 न्यूज एचडी चैनल पर भारत को चुनौती देते हुए कहा कि वह पाकिस्तान के साथ 10 टेस्ट, 10 वनडे और 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

प्रदेश के 10 नगरों में नक्शा कार्यक्रम लागू

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के 9 जिलों के 10 नगरों में नक्शा कार्यक्रम लागू किया है। इसे केन्द्रीय भूमि संसाधन विभाग ने 'डिजिटल इण्डिया लैण्ड रिकॉर्ड्स और मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम' के तहत शुरू किया है। नक्शा कार्यक्रम (नेशनल जियो स्पिेटियल नॉलेज बेस्ड लैण्ड सर्वे ऑफ अर्बन हेबिटेशन) सम्पत्ति लेन-देन और ऋण प्राप्ति को सरल बनायेगा। यह कार्यक्रम प्रापर्टी टैक्स कलेक्शन में सुधार और वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करेगा। प्रदेश में यह कार्यक्रम 9 जिलों के 10 नगरों में लागू किया जा रहा है। इनमें शाहगंज, छनेरा, अलीराजपुर, देपालपुर, धार कोठी, मेघनगर, माखन नगर (बाबई), विदिशा, साँची और उन्हेल शामिल हैं। नक्शा कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित नगरों में जियो स्पिेटियल मेपिंग करना और भूमि सर्वेक्षण में आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करना शामिल है। प्रदेश में ई-नगरपालिका के माध्यम से सभी नागरिक सेवाएँ ऑनलाइन प्रदाय की जा रही हैं। योजना के दूसरे चरण में पोर्टल के अंतर्गत 16 मॉड्यूल तथा 24 नागरिक सेवाएँ शामिल की जा रही हैं। इसी के साथ इनका डाटा प्रबंधन क्लाउड सेवाओं द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है। ई-नगरपालिका 2.0 में जीआईएस एकीकरण और ऑर्टीफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग किया जा रहा है। कॉमन सर्विस सेंटर, एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर और भुगतान गेटवे के साथ ई-नगरपालिका 2.0 का एकीकरण किया जा रहा है।

5 दिवसीय मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 1 से 5 मार्च तक

भोपाल। मुख्य न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर एवं न्यायाधिपति एवं कार्यपालक अध्यक्ष तथा सदस्य सचिव, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश भोपाल के मार्गदर्शन तथा सुनीत अग्रवाल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समन्वय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल द्वारा न्यायाधीशगण के लिए 5 दिवसीय मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यकम का आयोजन पलाश रेसीडेंसी भोपाल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदीप मित्तल, सदस्य सचिव, म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर, मनोज कुमार श्रीवास्तव, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीमती गिरिबाला सिंह, मध्यस्थ सीनियर मास्टर ट्रेनर ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन कर एवं फूल माला एवं पुष्प अर्पित कर किया। शुभारंभ कार्यकम में अग्नीन्ध्र कुमार द्विवेदी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सुनीत अग्रवाल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल सहित प्रशिक्षणार्थी न्यायाधीशगण एवं अभय सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदीप मित्तल, सदस्य सचिव, म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने अपने उद्बोधन में व्यक्त किया कि वैसे तो हमारे समाज और हमारे बीच में हर व्यक्ति विवाद के समय एक मध्यस्थ बन जाता है, लेकिन मध्यस्थता से विवाद को कैसे समाप्त किया जाए उसके लिए प्रशिक्षित मध्यस्थ होना आवश्यक है और विवाद रहित समाज की परिकल्पना में ऐसे प्रशिक्षण कार्यकम आवश्यक हैं, हमें आशा है कि आप सभी न्यायाधीशगण मध्यस्थता प्रशिक्षण प्राप्त कर विवाद रहित समाज की परिकल्पना को साकार करने में अपनी अहम भूमिका अदा करेंगे।

विद्या भारती का छह दिनी अभ्यास वर्ग आज

भोपाल। विद्या भारती का भोपाल में छह दिवसीय अभ्यास वर्ग 3 से 8 मार्च तक भोपाल में केरवा डेम के पास शारदा विहार परिसर के आवासीय विद्यालय में होगा। इसमें देशभर के 700 पूर्णकालिक कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस अभ्यास वर्ग में भारतीय ज्ञान परंपरा, शिक्षा नीति और आधुनिक शिक्षा के समावेश पर चर्चा की जाएगी। इसमें एआई और डीप टेक्नोलॉजी का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। सोमवार को प्रदर्शनी का उद्घाटन होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 4 मार्च को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत करेंगे। समापन समारोह 8 मार्च को होगा, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और विद्या भारती के वरिष्ठ मार्गदर्शक सुरेश सोनी उपस्थित रहेंगे। इस अभ्यास वर्ग का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण के लिए सशक्त कार्यकर्ता निर्माण है। इस अभ्यास वर्ग में इस वर्ग में विभिन्न विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी मिलेगा, जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधिकारी, सीबीएसई, एनसीईआरटी और भारतीय ज्ञान परंपरा संस्थान के अधिकारी शामिल होंगे।

भाजपा किसान मोर्चा के दर्शन सिंह चौधरी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को किया संबोधित

2600 रूपए प्रति क्विंटल गेंहू खरीदी का निर्णय किसानों को बड़ा उपहार

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के किसानों को बड़ा तोहफा देते हुए समर्थन मूल्य पर 2600 रूपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदने का निर्णय लिया है।

इसको लेकर 2 मार्च को मध्यप्रदेश के लाखों किसानों की तरफ से भाजपा किसान मोर्चा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मुख्यमंत्री निवास में अभिनंदन किया जाएगा। कांग्रेस किसानों की लाश पर रोटी सेंकने का कार्य करती है, भाजपा किसानों को खुशहाल बना रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने खेती में क्रांतिकारी परिवर्तन किया हैं। कांग्रेस के शासनकाल में किसान खेती के प्रति उदासीन हो गया था। प्रधानमंत्री जी कि किसान हितैषी नीतियों के चलते अब किसान उन्नत खेती कर रहे हैं। युवाओं में खेती के प्रति रूझान बढ़ा है। आईआईटी पास युवा भी अब खेती कर रहे हैं।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) माध्यम के जरिए किसानों के खाते में राशि

भेजकर योजना को धरातल पर उतारने का कार्य किया है। इस योजना का मध्यप्रदेश के 82 लाख किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के गेहूं के किसानों को नुकसान होने की स्थिति में दो हजार रूपए प्रति हेक्टेयर बोनस देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किसानों को लेकर लिए गए इस ऐतिहासिक निर्णय से प्रदेश के किसानों में खुशी की लहर है। मध्यप्रदेश भाजपा सरकार का यह निर्णय किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य करेगा।

श्रद्धेय अटल जी ने किसानों को केसीसी का तोहफा देकर उनका जीवन संवारने का कार्य किया

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी स्व. जवाहरलाल नेहरू के समय से किसानों की लाशों पर रोटियां सेकने का कार्य कर रही है। कांग्रेस आज भी यही कार्य कर रही है, उन्हें किसानों के हित में लिए जा रहे निर्णय अच्छे नहीं लगते। कांग्रेस वर्षों तक देश और मध्यप्रदेश में सत्ता में रही, लेकिन किसानों के हितों को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना लागू करके किसानों को बहुत कम ब्याज दर पर खेती के लिए ऋण दिलाने का कार्य किया। श्रद्धेय अटल जी ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना लागू करके देश के गांवों में रहने वाले करोड़ों किसानों को सड़क मार्ग से जोड़ा। इसका फायदा यह हुआ कि किसान आसानी से अपना उपज बाजार तक पहुंचाने लगा और उसे उपज का अच्छा दाम मिलने लगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार किसानों का जीवन संवारने का कार्य कर रही है। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकारें कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने का कार्य किया है।

नई फिल्म पर्यटन नीति से सिनेमा और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जीआईएस-भोपाल से फिल्म निर्माण एवं पर्यटन उद्योग के गोल्डन ग्लोबल गेट की हुई ओपनिंग

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश लंबे समय से फिल्म निर्माताओं के लिए कल्पनालोक बना रहा है। राज्य सरकार की नई फिल्म एवं पर्यटन नीति-2025 ने यहां शूटिंग को व्यापारिक दृष्टिकोण से भी आकर्षक बना दिया है। उन्होंने कहा कि इस नीति से प्रदेश की छवि बड़े पर्दे पर और भी प्रभावशाली बनकर वैश्विक पटल पर उभरेगी। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन को भी नई ऊंचाइंया मिलेंगीं।

मुख्यमंत्री डॉ. ने कहा कि जीआईएस भोपाल से फिल्म निर्माण एवं पर्यटन उद्योग के गोल्डन ग्लोबल गेट की ओपनिंग हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीआईएस-भोपाल का शुभारंभ करते हुए हमें बताया कि भारत के विकास में टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल और टूरिज्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वर्ष 2047 तक भारत की जीडीपी में पर्यटन का योगदान 10 प्रतिशत से अधिक होगा। जीआईएस-भोपाल में पर्यटन विभाग ने राज्य सरकार की नई फिल्म एवं पर्यटन नीति पर प्रेजेंटेशन से फिल्म निर्माता और पर्यटन उद्योग के पुरोधा अत्यंत प्रभावित हुए।

नई नीति में फिल्म निर्माताओं को वित्तीय प्रोत्साहन

नई फिल्म-पर्यटन नीति में फिल्मों और वेब-सीरीज के निर्माण के लिए अनुदान राशि बढ़ाई गई है। नई नीति में फीचर फिल्म निर्माण के लिये 5 करोड़ रुपये, वेब सीरीज निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपये, टीवी सीरियल निर्माण के लिए 1.5 करोड़ रुपये, डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माण के लिए 50 लाख रुपये, अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों के निर्माण पर, 12 करोड़ रुपये और शॉर्ट फिल्म निर्माण पर 20 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा। योजना में लाभ प्राप्ति के लिये फिल्म निर्माण की 75 प्रतिशत शूटिंग मध्यप्रदेश में करना होगा। नई नीति में प्रदेश में सिनेमाघरों के नवीनीकरण के लिए निवेश जुटाने पर भी ध्यान दिया गया है। फिल्म शूटिंग संबंधी अनुमतियों के लिए एकल मंजूरी की व्यवस्था की गई है। इसे लोक सेवा गारंटी अधिनियम में शामिल किया गया है।

स्थानीय भाषाओं और विषयों पर फिल्म निर्माण को प्रोत्साहन

राज्य सरकार ने स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय भाषाओं-बोलियों में फिल्म बनाने पर 15 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान देने का नई नीति में प्रावधान किया है। इसमें मालवी, बुंदेली, निमाड़ी, बघेली और भीली भाषाओं की फिल्मों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा, महिला और बच्चों पर केंद्रित फिल्मों के निर्माण पर भी 15 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान मिलेगा।

मध्यप्रदेश में फिल्म-शूटिंग बढ़ता क्रेज

वर्तमान में मध्यप्रदेश में फिल्म निर्माता आगे आ रहे हैं। मध्यप्रदेश को वर्ष-2022 में 'द मोस्ट फिल्म-फ्रैंडली' राज्य का पुरस्कार मिल चुका है। अब तक 15 हिंदी फिल्मों, 2 तेलुगु फिल्मों और 6 वेब सीरीज को 30 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय अनुदान दिया जा चुका है। प्रमुख फिल्म और वेब सीरीज परियोजनाओं में स्त्री-1 एवं स्त्री-2, भूल-भुलैया-3, सुई-धागा, लापता लेडीज, द रेलवे मैन, पैडमैन, धड़क-2, स्त्री, पंचायत, कोटा फैक्ट्री, गुल्लक और सिटाडेल आदि शामिल हैं। प्रदेश में मौजूद प्राकृतिक सौंदर्य और अन्य संसाधनों से फिल्म-शूटिंग का क्रेज बढ़ रहा है।

महिलाओं ने अपनी लेखनी से समाज को दिशा दी : भूरिया

हिंदी लेखिका संघ का 30वां वार्षिक कृति पुरस्कार एवं सम्मान समारोह 2024-25 संम्पन्न

भोपाल। लेखन समाज का दर्पण होता है। जब एक लेखिका अपनी रचनाओं के माध्यम से महिलाओं की स्थिति, उनके अधिकारों, उनके संघर्षों और उनके उत्थान की बात करती है, तो वह केवल अपनी ही कहानी नहीं बयां करती, बल्कि वह उन सभी महिलाओं की बात करती है जो मौन हैं, जो संघर्ष कर रही हैं और जो बदलाव की प्रतीक्षा कर रही हैं। यह बात महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहीं।

वे हिंदी भवन के सभागार में हिंदी लेखिका संघ मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित 30 वां वार्षिक कृति पुरस्कार एवं सम्मान समारोह 2024-25 में संबोधित कर रही थी। सुश्री भूरिया ने कहा कि लेखन समाज के हर वर्ग को संदेश देता है। महिला लेखिकाओं का योगदान अमूल्य है और हम सभी को इसे पहचानने और प्रोत्साहित करने की जरूरत है।उन्होने कहा कि हिन्दी साहित्य का इतिहास समृद्ध और विविधताओं से भरा हुआ है, जिसमें नारी का योगदान एक अहम् और विशिष्ट स्थान रखता है।

हमारे देश के साहित्य में अनेक महान लेखिकाओं का योगदान रहा है, जिन्होंने न केवल समाज में विद्यमान सामाजिक कुरीतियों और भेदभाव को उजागर किया, बल्कि उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से नारी के अधिकारों की लड़ाई भी लड़ी। यही कारण है कि हमें यह समझने की जरूरत है कि महिला लेखिकाओं ने केवल साहित्य में ही नहीं, बल्कि समाज में भी एक नई दिशा का संचार किया है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रारंभ में महिला लेखकों को पुरुष लेखकों के मुकाबले कम मान्यता मिलती थी। लेकिन समय के साथ हमारे समाज और साहित्य में बदलाव आया है।

दवा विक्रेताओं की भी पीड़ित मानवता की सेवा में है महत्वपूर्ण भूमिकाः राजेन्द्र शुक्ल

दवा विक्रेता संघ ने उप मुख्यमंत्री का किया सम्मान

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि पीड़ित मानवता की सेवा में दवा विक्रेताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। केन्द्र सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए निरोगी काया अभियान में होने वाली नि:शुल्क जाँच कराने के लिए लोगों को जागरूक करने का कार्य दवा विक्रेता संघ करे ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ ले सकें। उप मुख्यमंत्री का रीवा जिला दवा विक्रेता संघ द्वारा सम्मान किया गया। उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में टीबी से पीड़ित मरीजों को पूरक आहार किट वितरित किए।

सम्मान समारोह में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि देश में स्वास्थ्य सुविधाओं की वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। आम आदमी को स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए आयुष्मान योजना वरदान बनी है। रीवा में भी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में गंभीर रोगों का इलाज आयुष्मान कार्डधारियों को निःशुल्क हो रहा है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा 20 फरवरी से 31 मार्च तक संचालित निरोगी काया अभियान में बीपी, शुगर एवं लीवर की निःशुल्क जाँच की जा रही है। उन्होंने 30 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों से इन जाँचों को कराने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि रीवा जिले में प्रतिदिन की जाने वाली जाँच की रिपोर्टिंग व मॉनीटरिंग हो और यह प्रयास हो कि रीवा जिला देश में इन जाँचों में अग्रणी रहे। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, अध्यक्ष नगर निगम व्यकंटेश पाण्डेय, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती माया सिंह, समाजसेवी राजेश पाण्डेय, प्रदीप गौतम सुमन, दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष तरूणेन्द्र सिंह, विजय सिंह, सतीश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में दवा विक्रेता संघ के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

भोपाल के बड़े तालाब पर 7 मार्च तक होगी 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 3 मार्च को करेंगे पांच दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को भोपाल के बड़े तालाब स्थित मध्यप्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी, बोट क्लब पर 3 से 7 मार्च तक आयोजित होगी। मंत्री सारंग ने 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप के आयोजन स्थल का खेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 3 मार्च को शाम 4 बजे पांच दिवसीय 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप का शुभारंभ करेंगे। मंत्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश में वाटर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए यह प्रतियोगिता महत्वपूर्ण है जिससे प्रदेश में वॉटर स्पोर्टस खेलों के प्रति उत्साह बढ़ेगा और युवा वर्ग को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि वॉटर स्पोर्ट्स में भागीदारी के लिए मध्यप्रदेश देश के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित हो इस दिशा में हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं। मंत्री सारंग ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 14 इवेंट्स का आयोजन किया जाएगा ।

भोपाल का बड़ा तालाब देश की सबसे बेहतर वॉटर बॉडी में से एक

मंत्री सारंग ने बताया कि भोपाल का बड़ा तालाब देश की सबसे बेहतरीन वॉटर बॉडी में से एक है, और यहाँ पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन प्रदेश के लिए गौरव की बात है। आगे उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में देशभर की कुल 27 टीमों में से 23 राज्यों की एवं इंडियन आर्मी, इंडियन नेवी, इंडियन एयरफ़ोर्स, और सर्विस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की टीमों के 500 प्रतिभागी शामिल होंगे। मंत्री सारंग ने बताया कि प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी रोइंग, क्याकिंग-केनोइंग, सेलिंग और स्लालम खेलों की विशेष प्रस्तुति देंगे। मध्यप्रदेश में वाटर स्पोर्ट्स को मंत्री सारंग ने बताया कि यह प्रतियोगिता वॉटर स्पोर्टस को बढ़ावा देने के साथ ही प्रदेश के युवाओं को अपनी प्रतिभा को दिखाने का एक बेहतर मंच प्रदान करेगा। आगे उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता के दौरान देशभर के रोइंग खिलाड़ी अपनी सर्वोत्तम तकनीक और कौशल का प्रदर्शन करेंगे, जिससे प्रदेश में वॉटर स्पोर्टस खेल के प्रति जागरूकता और उत्साह में वृद्धि होगी।

सीएस इलेवन और एसबीआई सीजीएम इलेवन के बीच योनो ट्रॉफी क्रिकेट मैत्री मैच में सीएस इलेवन की जीत

भोपाल। मुख्य सचिव (सीएस) इलेवन और एसबीआई मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) इलेवन के बीच ओल्ड कैंपियन, भोपाल स्टेडियम में योनो ट्रॉफी 20-20 क्रिकेट मैत्री मैच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में सीएस इलेवन ने सीजीएम इलेवन को 8 विकेट से पराजित किया। मैच में एसबीआई भोपाल मंडल के मुख्य महाप्रबंधक चंद्रशेखर शर्मा ने सीजीएम इलेवन का नेतृत्व किया, जबकि सीएस इलेवन की कमान मध्य प्रदेश शासन के मुख्य सचिव अनुराग जैन के हाथों में थी।

एसबीआई की टीम ने 20 ओवर मे 193 रन बनाये जिसे सीएस की टीम ने 20 वे ओवर की अखिरी बाल तक 194 रन बनाकर मैच जीत लिया। बेस्ट बालर का अवार्ड एस बी आई के ध्यान चन्द, बेस्ट फील्डर का अवार्ड सी एस टीम के परीक्षित, बेस्ट बैट्समैन एवं मैन आफ द मैच ऐशवर्य व आल राउंडर का अवार्ड संजय पांडे को दिया गया

इस 20-20 क्रिकेट मैच को देखने और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए एसबीआई के महाप्रबंधक कुंदन ज्योति, अजिताव पाराशर, मनोज कुमार, शुभकांत कानूनगो, श्रीमती गीतू शर्मा (अध्यक्ष, एसबीआई लेडीज क्लब) सहित बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, स्टाफ सदस्य और बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे। मैच के दौरान दोनों टीमों ने खेल भावना का प्रदर्शन किया, और दर्शकों ने पूरे उत्साह के साथ इस मैत्री मैच का आनंद लिया।

बच्चों को हम जैसा बनाएंगे, जैसा सिखाएंगे वैसे बनकर वह आगे बढ़ेंगे : कृष्णा गौर

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि बच्चे गीली मिट्टी के समान होते हैं। इनकों हम जैसा बनाएंगे, जैसा सिखाएंगे वैसा बनकर वह आगे बढ़ेंगे। उन्होंने यह बात अवधपुरी में एक निजी स्कूल के शुभारंभ अवसर पर कहीं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि यह पहला ऐसा स्कूल है, जिसमें वह सारी सुविधाएं हैं, जो सुविधाएं छोटे बच्चों को मिलनी चाहिए। स्कूल में बहुत छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखा गया है जो बच्चों की सुरक्षा का, बच्चों के मनोरंजन का, बच्चों के ज्ञान का, हर दृष्टि से यहां आने वाला बच्चा हर तरफ से समृद्ध होकर जाए। इस दृष्टि से हमारा यह प्री स्कूल निश्चित रूप से हमारी नई पीढ़ी को संस्कारित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। पार्षद श्रीमती मधु शिवनानी, जितेंद्र शुक्ला, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र दुबे, गणेश राम नागर, पार्षद वी शक्ति राव, राजेश्वर सिंह, स्कूल की प्रिसिंपल श्रीमती रुचि विनोद सिंह, रामेश्वर भैया, विनोद सिंह, प्रसाद पटेल और सभी गणमान्य नागरिक बंधु मौजूद रहे।